हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सहयोग सन्देश

RNI NO :- UPHIN/2007/22595

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पंजीकृत

❖वर्ष : 20 ❖अंक : 34 ❖ लखनऊ .रविवार 12 अप्रैल 2026 ❖ पृष्ठ : 08 ❖मूल्य : 2.00 रु.

संक्षिप्त समाचार

बंगाल चुनाव 2026: हमायूं कबीर का स्टिंग वीडियो: टीएमसी पर आरोप

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के बीच एक नया विवाद सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस के नेता हमायूं कबीर का एक स्टिंग वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें उन्होंने चुनावी जीत के लिए गंदे तरीकों का जिक्र किया है। इस वीडियो में कबीर एक साजिश की बात कर रहे हैं, जिससे विपक्षी पार्टियों के खिलाफ माहौल बनाने की योजना की झलक मिलती है। वीडियो में कबीर का दावा है कि टीएमसी इस बार चुनावों में विपक्ष को हराने के लिए कई तरह की चालें चलेगी।

यह वीडियो सामने आते ही विपक्षी दलों ने इसे टीएमसी के भ्रष्टाचार और लोकतंत्र विरोधी गतिविधियों के सबूत के तौर पर पेश किया है।

बीजेपी और अन्य विपक्षी दलों ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। टीएमसी ने इस वीडियो को साजिश करार दिया है और कहा है कि इसका मकसद उनकी छवि खराब करना है।

टीएमसी के नेताओं की ओर से इस वीडियो की सत्यता पर सवाल उठाए जा रहे हैं, जबकि राजनीतिक माहौल और गरमा गया है।

यह मामला चुनावों के बीच एक नया मोड़ ले सकता है।

भारत की चिंता: लेबनान में बढ़ती हिंसा, नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

भारत ने 10 अप्रैल 2026 को लेबनान में जारी हिंसा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि देश के नागरिकों की सुरक्षा और भलाई प्राथमिकता है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि लेबनान में बढ़ते संघर्षों के कारण वहां के आम नागरिकों की जिंदगी दांव पर लगी है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह इस संकट को हल करने के लिए सहयोग करें और लेबनान में शांति कायम करने की दिशा में कदम उठाए।

हाल ही में लेबनान में हिंसक झड़पों और संघर्षों की संख्या में तेज वृद्धि देखी गई है, जिसके परिणामस्वरूप कई नागरिकों की मौत हो चुकी है और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। भारत ने इस स्थिति को अत्यंत चिंताजनक बताया और सभी पक्षों से हिंसा को रोकने और शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में काम करने की अपील की है।

भारत का मानना है कि इस तरह के संघर्षों से न केवल वहां के नागरिकों की सुरक्षा को खतरा है, बल्कि इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता भी प्रभावित हो रही है।

जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी से महिलाओं के लिए माफी की मांग की

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 2023 में लागू हुई "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" की देर से कार्यान्वयन पर माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के प्रति अपनी पार्टी की "वादाखिलाफी" के लिए देश की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पहले महिला आरक्षण बिल को संसद में लंबित रखा और अब यह बिल केवल राजनीतिक फायदे के लिए प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने में गंभीर देरी की, जिससे महिलाओं के हक में किए गए वादों का सम्मान नहीं किया गया। जयराम रमेश ने यह टिप्पणी उस समय की जब संसद में विपक्ष इस अधिनियम को लेकर सवाल उठा रहा था। कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी सरकार ने महिलाओं के अधिकारों के नाम पर सिर्फ सिर्फ भाषणों और सभी चुनावी वादों की बजाय कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं। उनका आरोप है कि भाजपा सरकार का रवैया महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सिर्फ प्रतीकात्मक था, और यह बिल केवल राजनीतिक प्रचार का हिस्सा बनकर रह गया।

जस्टिस वर्मा का इस्तीफा और विवाद

जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा: गंभीर आरोप और न्यायपालिका

जस्टिस वर्मा का इस्तीफा, विवाद ने न्यायपालिका को झकझोर दिया।

जले हुए नोटों के मामले ने महाभियोग की प्रक्रिया को जन्म दिया।

जांच में जस्टिस वर्मा का बचाव अस्वीकार, आरोपों पर सवाल उठे।

इलाहाबाद। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया, जो उनके खिलाफ उठे एक बड़े विवाद का परिणाम था। जस्टिस वर्मा का नाम उस समय सुर्खियों में आया जब उनके दिल्ली स्थित सरकारी बंगले से जले हुए नोट मिलने की खबर सामने आई। इस मामले ने देशभर में हलचल मचा दी, और न्यायपालिका से लेकर संसद तक इस पर गंभीर चर्चा हुई। इस पूरे घटनाक्रम ने उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया को जन्म दिया, जो इस समय तक जारी थी। मार्च 2025 में जस्टिस वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी बंगले से भारी मात्रा में जले हुए 500-500 के नोट मिले थे। इस घटना के बाद, जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया और उनके खिलाफ आंतरिक जांच की प्रक्रिया शुरू हुई। इस घटना को लेकर सवाल उठने लगे, कि क्या जस्टिस वर्मा और उनके परिवार का इसमें हाथ था? क्या यह महज एक दुर्घटना थी या फिर कोई साजिश थी? इस पूरे मामले ने अंततः न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए।

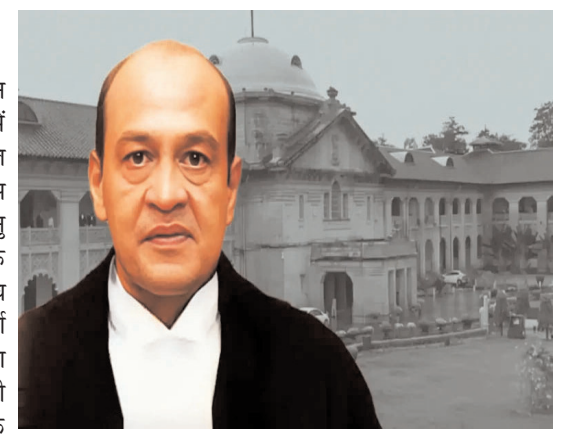

जांच पैनल की रिपोर्ट

इस मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने तीन सदस्यीय एक पैनल का गठन किया, जिसमें पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधवालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की जज अनु शिवरमण शामिल थे। इस पैनल ने 10 दिनों तक जांच की और 55 गवाहों से पूछताछ की। जांच में यह पाया गया कि जले हुए नोट जस्टिस वर्मा के ही सरकारी आवास से मिले थे। पैनल ने कहा कि जस्टिस वर्मा के स्टोर रूम पर पूरी निगरानी रखी जाती थी और उसमें कोई भी बाहरी व्यक्ति बिना अनुमति के नहीं जा सकता था। इसके बावजूद जले हुए नोट कैसे वहां पहुंचे, इसका कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। पैनल ने यह भी बताया कि जस्टिस वर्मा के स्टोर रूम का दरवाजा हमेशा लॉक रखा जाता था। जले हुए नोटों के मिलने के बाद, जस्टिस वर्मा ने दावा किया कि यह पूरी घटना एक साजिश है, लेकिन इस आरोप को पैनल ने अविश्वसनीय बताया। जांच के दौरान यह पाया गया कि सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित नहीं किया गया था, और जस्टिस वर्मा ने इसके बारे में कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

जस्टिस वर्मा का बचाव

जांच समिति के सामने जस्टिस वर्मा ने अपने बचाव में कई तर्क दिए। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को साजिश करार दिया और कहा कि वह घटना के समय अपने घर पर मौजूद नहीं थे। उन्होंने यह भी कहा कि उनके घर के कर्मचारियों और सुरक्षा अधिकारियों की लापरवाही के कारण इस घटना का जन्म हुआ। जस्टिस वर्मा ने यह भी कहा कि उन्होंने सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित करने की कोशिश नहीं की, क्योंकि कैमरे ठीक से काम नहीं कर रहे थे, और यह उनकी गलती नहीं थी।

इसके बावजूद, पैनल ने जस्टिस वर्मा के इन तर्कों को पूरी तरह से खारिज किया। पैनल ने यह भी कहा कि यदि कोई साजिश थी, तो जस्टिस वर्मा को इसका त्वरित रूप से विरोध करना चाहिए था और स्थिति को स्पष्ट करने के लिए कोई ठोस कदम उठाना चाहिए था। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसके बजाय, उन्होंने मामले को हमेशा एक साजिश के रूप में पेश किया, जो उनकी विश्वसनीयता को और कमजोर करता है।

महाभियोग की प्रक्रिया

इस पूरे मामले ने महाभियोग की चर्चा को भी जन्म दिया। 21 जुलाई 2025 को, संसद में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की मांग उठाई गई, जब रविशंकर प्रसाद और राहुल गांधी समेत 146 लोकसभा सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए नोटिस दिया। इसके बाद, लोकसभा अध्यक्ष ने महाभियोग की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया।

समिति में सुप्रीम कोर्ट के जज और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को शामिल किया गया। समिति ने इस मामले की जांच शुरू की और रिपोर्ट में कहा कि जस्टिस वर्मा पर गंभीर आरोप हैं, जो उनके पद पर बने रहने के लिए अस्वीकार्य हैं।

जस्टिस वर्मा का इस्तीफा

इन्हीं तमाम घटनाओं और जांच के बाद, जस्टिस वर्मा ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने से पहले, उन्होंने संसदीय समिति के सामने अपना बयान पेश किया, जिसमें उन्होंने पूरी घटना को एक साजिश बताया और अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को नकारा। उनका यह इस्तीफा एक संकेत था कि इस विवाद का अंत हो चुका था, लेकिन इसके पीछे की सच्चाई अब भी जांच के दायरे में है।

कुणाल कमरा ने शिंदे टिप्पणी पर माफी से किया इनकार, स्वतंत्रता के अधिकार का हवाला

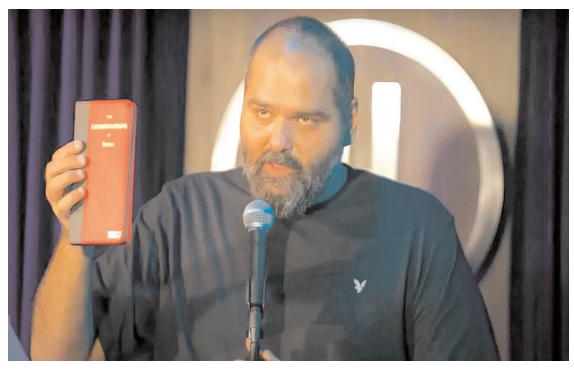

महाराष्ट्र। कॉमेडियन कुणाल कमरा ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई अपनी विवादित टिप्पणी को लेकर माफी मांगने से इनकार कर दिया है। कमरा ने हाल ही में शिंदे पर एक कार्यक्रम के दौरान कुछ टिप्पणियां की थीं, जिनके बाद यह मामला सुर्खियों में आ गया। शिंदे ने कमरा के बयान को अपमानजनक बताते हुए उन्हें माफी मांगने की सलाह दी थी, लेकिन कुणाल कमरा ने अपनी बात पर कायम रहते हुए किसी भी प्रकार की माफी मांगने से इनकार कर दिया है। कुणाल कमरा ने कहा कि उनका बयान स्वतंत्रता के अधिकार का हिस्सा था और वे इस पर खेद व्यक्त नहीं करेंगे। उन्होंने अपने बयान को सही ठहराते हुए कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत राय थी और उन्होंने इसे व्यंग्य के रूप में पेश किया था। कमरा ने यह भी कहा कि यदि वे अपनी बात से पीछे हटेंगे तो यह उनकी स्वतंत्रता पर हमला होगा। वहीं, इस मामले में एकनाथ शिंदे के समर्थकों ने कमरा के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया दी है, जबकि कुछ अन्य लोगों ने इसे केवल एक हास्य जनक टिप्पणी करार दिया। यह मामला राजनीतिक हलकों में भी गरमा गया है और इससे जुड़ी चर्चा बढ़ती जा रही है।

बीजेपी और कांग्रेस के बीच टकराव: धार्मिक स्वतंत्रता बनाम राष्ट्रीय गान पर राजनीतिक बहस तेज

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस के बीच तीखी टकराव की स्थिति बन गई है। मामला उस घटना से जुड़ा है, जब कुछ दिनों पहले एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय गान के समय कुछ व्यक्तियों द्वारा खड़ा न होने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। इस घटना के बाद से राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है, और दोनों प्रमुख दलों के बीच इस मुद्दे पर तीखी बहस हो रही है। बीजेपी ने इस घटना को राष्ट्रीय अस्मिता पर हमला बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बीजेपी के नेताओं ने इसे धार्मिक स्वतंत्रता और राष्ट्र के सम्मान के बीच एक गहरी खाई के रूप में पेश किया। पार्टी ने आरोप लगाया कि यह घटना राष्ट्रीय गान का अपमान है और इससे देश के समृद्ध संस्कृति और उसकी अस्मिता को ठेस पहुंची है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को राष्ट्रगान का सम्मान करना चाहिए, चाहे उनकी धार्मिक मान्यताएं जो भी हों। कांग्रेस, दूसरी ओर, इसे धार्मिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अधिकारों से जोड़ते हुए बीजेपी के आरोपों का जवाब दे रही है। पार्टी ने दावा किया कि यह घटना किसी के धार्मिक विश्वासों का उल्लंघन नहीं करती और यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन भी नहीं है। कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा कि जब तक किसी ने जानबूझकर राष्ट्रीय गान का अपमान नहीं किया, तब तक इसे विवादित बनाने की कोई आवश्यकता नहीं है। इस राजनीतिक बहस ने धार्मिक स्वतंत्रता और राष्ट्रीय अस्मिता के बीच एक गहरी खाई को उजागर किया है। दोनों दलों के नेता इसे अपनी-अपनी नीतियों और विचारधाराओं के संदर्भ में देख रहे हैं। बीजेपी इसे देश के गौरव और सम्मान से जोड़ते हुए इसे गंभीर मुद्दा मान रही है, जबकि कांग्रेस इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा मानते हुए इसका समर्थन कर रही है।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह बहस आगामी चुनावों में एक बड़ा मुद्दा बन सकती है। धार्मिक स्वतंत्रता और राष्ट्रीय गान के सम्मान पर इस तरह के विवाद देश की राजनीति में उथल-पुथल मचाने की क्षमता रखते हैं। चुनावी अभियान के दौरान यह दोनों दलों के लिए एक बड़ी चुनौती हो सकती है, क्योंकि एक ओर बीजेपी राष्ट्रवादी भावनाओं को भड़काकर समर्थन जुटाने की कोशिश कर सकती है, वहीं कांग्रेस इसे धार्मिक विविधता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के पक्ष में प्रचारित कर सकती है। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने इस मुद्दे को पार्टी के भीतर विभिन्न धर्मों और उनके अधिकारों के समान सम्मान की दिशा में एक कदम बताया है। उनका मानना है कि यह स्वतंत्रता भारतीय लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है और इसे किसी भी हाल में सीमित नहीं किया जाना चाहिए। इस प्रकार, कांग्रेस ने धार्मिक स्वतंत्रता और राष्ट्रीय गान के सम्मान के बीच संतुलन बनाए रखने का आह्वान किया है। वहीं, बीजेपी ने इस मुद्दे पर अपनी स्थिति को और मजबूत करते हुए कहा है कि देश का सम्मान सभी पर प्राथमिकता होनी चाहिए। बीजेपी नेताओं का कहना है कि हर नागरिक को राष्ट्रीय गान और अन्य प्रतीकों का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि यह राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रतीक है।

इस घटना ने एक बार फिर से धार्मिक स्वतंत्रता और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन बनाने के महत्व को सामने ला दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बहस का असर चुनावों पर पड़ेगा, खासकर उन क्षेत्रों में जहां धार्मिक मुद्दे प्रमुख होते हैं।

महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर पर घमासान शिवसेना की योजना, विपक्ष का कड़ा विरोध

2026 में महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया मोड़ आया है। शिवसेना से जुड़ी एक योजना "ऑपरेशन टाइगर" की चर्चा इन दिनों जोर-शोर से हो रही है। यह योजना राज्य में सत्ता के पक्ष और विपक्ष के बीच एक गहरे संघर्ष की ओर इशारा करती है, जिसमें सत्ता हथियाने की जद्दोजहद को लेकर कई राजनीतिक दलों में खलबली मच गई है। शिवसेना का दावा है कि इस ऑपरेशन से उनके गठबंधन को ताकत मिलेगी, लेकिन विपक्षी दल इसको राजनीतिक षड्यंत्र करार दे रहे हैं। शिवसेना के नेताओं ने इस योजना को एक रणनीतिक कदम बताया, जिसे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में राज्य के शासन को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया है। ऑपरेशन टाइगर का मुख्य उद्देश्य राज्य में कई छोटे दलों को एकजुट कर शिवसेना की शक्ति को पुनः स्थापित करना है। यह अभियान खासकर उन विधायकों को लक्षित करता है जो पिछले चुनावों में कमजोर रहे या जिन्होंने शिवसेना के खिलाफ अपनी निष्ठा बदल ली है। हालांकि, विपक्ष ने इस योजना को सख्त रूप से नकारा है और इसे एक तख्तापलट की साजिश बताया है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और अन्य विरोधी दलों का कहना है कि इस ऑपरेशन के पीछे सिर्फ सत्ता की भूख है और इससे राज्य की राजनीतिक स्थिति और भी अस्थिर हो सकती है। बीजेपी के नेताओं ने आरोप लगाया कि शिवसेना इस अभियान के जरिए उन नेताओं को परेशान करने की कोशिश कर रही है, जो उनका समर्थन नहीं कर रहे हैं।

विपक्ष का कहना है कि "ऑपरेशन टाइगर" की योजना न केवल राजनीतिक विवाद को बढ़ावा देगी, बल्कि इससे राज्य के प्रशासन में भी खलबली मच सकती है। उन्हें यह चिंता है कि इस तरह के कदमों से राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की सत्ता स्थिरता पर भी खतरा मंडरा सकता है।

राज्य के वरिष्ठ नेता और विपक्षी दलों के प्रमुख इस "ऑपरेशन टाइगर" को सत्ता की ललक और कमजोर राजनीति का परिणाम मानते हैं। उनके मुताबिक, यह सिर्फ एक तमाशा है और इसका अंत राज्य के हित में नहीं होगा। इसके अलावा, वे इस बात पर भी जोर दे रहे हैं कि यदि इस ऑपरेशन को आगे बढ़ाया गया, तो यह केवल राज्य की राजनीतिक स्थिति को और जटिल बना सकता है। राज्य में इस समय चुनावी सरगर्मियाँ भी जारी हैं, और हर दल अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए नए-नए रणनीतिक कदम उठा रहा है। शिवसेना की यह योजना आने वाले दिनों में राज्य की राजनीति को एक नया मोड़ दे सकती है, लेकिन विपक्षी दलों के विरोध के कारण इस पर सवालिया निशान भी खड़े हो गए हैं। यह साफ है कि "ऑपरेशन टाइगर" राज्य की राजनीति में एक बड़ा विवाद पैदा कर सकता है, क्योंकि इसमें सत्ता की स्थिरता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि शिवसेना इस रणनीति को किस दिशा में आगे बढ़ाती है और विपक्ष इसके खिलाफ किस तरह की प्रतिक्रियाएं देता है।

ममता बनर्जी का भाजपा पर जोरदार हमला: सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन BJP पर नहीं

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 10 अप्रैल 2026 को उत्तर 24 परगना जिले में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। ममता ने कहा, "सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर नहीं।" उनके इस बयान ने भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच चल रहे चुनावी संघर्ष को और भी तेज कर दिया है। ममता का यह बयान भाजपा के खिलाफ उनकी लगातार आलोचना और आरोपों का हिस्सा था, जो उन्होंने पूरे चुनावी मौसम के दौरान पार्टी पर लगाए हैं। ममता बनर्जी ने भाजपा पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और समाज में नफरत फैलाने का काम कर रही है। ममता ने यह भी कहा कि भाजपा के नेताओं ने हमेशा पश्चिम बंगाल की संस्कृति और राज्य के हितों के खिलाफ काम किया है। उनके मुताबिक, भाजपा की नीतियां केवल सत्ता को बनाए रखने के लिए हैं, न कि जनता की भलाई के लिए। ममता ने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा देशभर में लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है और संविधान का उल्लंघन कर रही है। ममता का यह बयान भाजपा के खिलाफ उनकी सख्त टिप्पणियों का एक हिस्सा था। उन्होंने भाजपा को सांप से तुलना करते हुए कहा कि "सांप पर विश्वास किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर नहीं।" ममता का इशारा भाजपा के नेताओं की कार्यशैली और उनके द्वारा किए गए झूठे वादों की तरफ था। उनका कहना था कि जब तक भाजपा सत्ता में है, तब तक वह सिर्फ झूठ फैलाती है और समाज को बांटने का काम करती है। ममता का यह बयान भाजपा के खिलाफ उनके आक्रामक रुख को और अधिक स्पष्ट करता है, जो उन्होंने विधानसभा चुनावों के दौरान सामने रखा है।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला चल रहा है। भाजपा, जो पहले पश्चिम बंगाल में सीमित शक्ति रखती थी, अब राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। वह राज्य में अपने संगठन को मजबूत करने और बंगाल की राजनीति में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए विभिन्न रणनीतियाँ अपना रही है। दूसरी तरफ, ममता बनर्जी अपने नेतृत्व में राज्य की सरकार की उपलब्धियों को सामने लाकर भाजपा के खिलाफ अपनी पार्टी को मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं।

ममता बनर्जी का चुनावी प्रचार हमेशा ही तेज और आक्रामक रहता है। वह अपनी पार्टी की योजनाओं और राज्य में किए गए विकास कार्यों को जनता के सामने लाती हैं। भाजपा के खिलाफ उनकी आलोचनाएँ हमेशा मुखर रहती हैं। ममता ने भाजपा के खिलाफ चुनावी रैलियों और सार्वजनिक भाषणों में कई बार कहा है कि भाजपा केवल झूठ बोलने और विभाजन की राजनीति करने में माहिर है। उनकी यह शैली उनके समर्थकों को आकर्षित करती है, लेकिन भाजपा के नेता इसे अक्सर जवाबी हमले के रूप में लेते हैं।

संपादकीय

1600 ईरानी माताओं का दर्द कौन समझे?

पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक मां की प्रार्थना से युद्ध की मानवीय पीड़ा उजागर हुई। अमेरिकी फाइटर पायलट के सकुशल वापसी से बाद से उस मां के चेहरे पर मुस्कान है। लेकिन ईरान में अमेरिकी-इजरायली हमले में मारे गए 1600 से अधिक नागरिकों की माताओं का दर्द कौन समझे। सोशल मीडिया पर बीते दिनों एक मां का संदेश आया। वह अपने फाइटर पायलट बेटे के लिए परेशान थीं। उन्होंने (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा - आज की रात प्रार्थनाओं में उन दो F-15 पायलटों को याद रखें, जिनके विमान ईरान में गिरा दिए गए हैं। मां साझा होती हैं और उनकी प्रार्थनाएं सभी पर असर करती हैं। अमेरिका ने तलाशी अभियान चलाकर अपने पायलट बचा लिए, उस मां के बेटे को भी। लेकिन यह सिर्फ एक पहलू है, दूसरी तरफ ईरान की सैकड़ों मां आंसुओं में डूबी हैं।

अमेरिकी फाइटर पायलट के सकुशल वापसी से बाद से उस मां के चेहरे पर मुस्कान है। लेकिन ईरान में अमेरिकी-इजरायली हमले में मारे गए 1600 से अधिक नागरिकों की माताओं का दर्द कौन समझे। सोशल मीडिया पर बीते दिनों एक मां का संदेश आया। वह अपने फाइटर पायलट बेटे के लिए परेशान थीं। उन्होंने (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा - आज की रात प्रार्थनाओं में उन दो F-15 पायलटों को याद रखें, जिनके विमान ईरान में गिरा दिए गए हैं। मां साझा होती हैं और उनकी प्रार्थनाएं सभी पर असर करती हैं। अमेरिका ने तलाशी अभियान चलाकर अपने पायलट बचा लिए, उस मां के बेटे को भी।

इस युद्ध में अब तक साढ़े तीन हजार से ज्यादा ईरानियों की मौत हो चुकी है। 1600 से अधिक आम नागरिक मारे गए हैं और करीब 250 बच्चे। संघर्ष के पहले ही दिन तेहरान के पास मिनाब में एक स्कूल पर अमेरिकी मिसाइल गिरी, जिसमें सौ से ज्यादा बच्चों की जान चली गई। ईरान की जिन मां ने अपने बच्चों को गंवाया है, क्या उनके दुख की कल्पना भी की जा सकती है! फिर पश्चिम एशिया के उन लोगों की भी सोचिए, जो बमों-मिसाइलों के धमाकों की दहशत में दिन-रात गुजार रहे हैं। कहीं यह युद्ध उन्हें हमेशा के लिए बदल न दे। अमेरिका और इस्त्राइल इस युद्ध को जरूरी बता रहे हैं, पर यह झूठ है। युद्ध से कोई समाधान नहीं निकलता। हिंसा हमेशा प्रतिहिंसा को जन्म देती है, जिसमें मानवता की आहूति दी जाती है। युद्ध से फायदा होता है तो सिर्फ हथियार बेचने वाली कंपनियों को और उन सत्ताधीशों को, जो इसकी आड़ में राष्ट्रवाद का ज्वार बढ़ाकर अपनी सत्ता बचाने की कोशिश करते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी हिंसा का हमेशा इसलिए विरोध करते थे, क्योंकि उनके मुताबिक, अगर इससे कुछ अच्छा दिखता भी है, तो वह अस्थायी होता है, लेकिन उसका बुरा असर स्थायी। युद्ध इसलिए भी कभी जरूरी नहीं हो सकता, क्योंकि उसके पीछे छूट जाते हैं दुख, प्रतिशोध, अशांति और तबाही। इनसे उबरने में बरसों लग जाते हैं। अगर रूस-यूक्रेन युद्ध की बात करें तो उसमें जितना नुकसान यूक्रेन के इन्फ्रास्ट्रक्चर को हुआ है, उसे दोबारा खड़ा करने में करीब 600 अरब डॉलर लगेंगे। एक करोड़ यूक्रेन वासियों को अपना घर छोड़ना पड़ा है, 60 लाख तो देश ही छोड़कर चले गए। इस युद्ध ने भी कई माताओं की गोद सूनी कर दी है। पश्चिम एशिया और यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत ने हमेशा शांति की वकालत की है।

कुछ अलग

जिंदगी निगलती भीड़

पिछले दिनों वाराणसी में मोबाइल चोरी के संदेह में एक किशोर की पीट-पीट कर हत्या करने की हृदयविदारक घटना सामने आई। घटना कानून व्यवस्था पर तो सवाल है ही, साथ ही भीड़ की बर्बरता की कहानी भी कहती है। क्या एक बच्चे की जिंदगी मोबाइल से सस्ती है? सवाल समाज की बढ़ती आक्रामकता पर भी है। एक ओर हम समाज में कानून का शासन चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर कानून हाथ में लेकर किसी की भी जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। निस्संदेह, यदि किसी व्यक्ति की अपराध में शामिल होने की आशंका भी है तो उसे पुलिस को सौंपा जाना चाहिए। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। अराजक तरीके से मार-पीटकर किसी की हत्या कर देने का अधिकार भीड़ को कैसे मिल सकता है? सवाल ऐसी घटनाओं पर शेष समाज की उदासीनता का भी है। जब उस किशोर को पीटा जा रहा था तो आसपास से गुजरने वाले लोग क्यों उसे बचाने नहीं आए? हाल के दिनों में महज शक के आधार पर लोगों को मौत के घाट उतारने व घायल करने की घटनाएं आम हो गई हैं। यह हमारे समाज के लिये भी चिंता का विषय है।

संसद का निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा

सब मिलकर करें नारी शक्ति को सशक्त: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह अवसर समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के नए रूप में सामने आएगा। यह ऐसा समय है, जब संसद को एक ऐसा कदम बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा।

पीएम नरेंद्र मोदी। 21वीं सदी की विकास यात्रा में भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह अवसर समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के नए रूप में सामने आएगा। यह ऐसा समय है, जब संसद को एक ऐसा कदम बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा। यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह तब आ रहा है, जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है।

आने वाले दिनों में असम में रोंगाली बिहू, ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति, पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरूआत होगी और केरलम में विषु पूरे उत्साह से मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत में बैसाखी का। मैं कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन पर्व हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं। इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की है।

इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारत की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। हमारी नारी शक्ति लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उसने राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारीशक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलाजी, उद्यम, सशस्त्र बलों और खेलों के साथ हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तीकरण के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं।

शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में उनकी भागीदारी को मजबूती दी है, पर इन सारे प्रयासों के बावजूद राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिला प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं, तो उनका अनुभव और विजन बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी आफ गवर्नेंस में सुधार भी होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, यह हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, संतुलित और उत्तरदायी बनाने का प्रयास है। पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए। विधेयकों के मसौदे भी प्रस्तुत किए गए, पर वे पारित नहीं हो सके, फिर भी इस पर व्यापक सहमति रही कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और साथ ही विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। संविधान निमार्ताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना इस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो। अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता स्वीकार की गई है। अगर अब भी हम इसे टालते हैं, तो इसका अर्थ होगा कि हम उस असंतुलन को और खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं।

जब भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब यह जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे दशकों पुराना संकल्प पूरा होने के साथ विकास की गति बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, दल या व्यक्ति का नहीं, पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इसके महत्व को समझना है। महिला आरक्षण बिल पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित के रूप में देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे भावी पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं और हमें बताते हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत समय के साथ खुद को और अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी बनाने की क्षमता में होती है। संसद का ऐतिहासिक सत्र करीब आ चुका है। मैं सभी दलों के सांसदों से नारीशक्ति के लिए इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

देश दुनिया से

महिला आरक्षण से बदलेगा भारतीय लोकतंत्र का चेहरा

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं की राजनीति में कम हिस्सेदारी को सुधारने का प्रयास है। आबादी में लगभग आधी हिस्सेदारी के बावजूद संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बेहद कम है। लंबे इंतजार के बाद यह कानून लोकतंत्र को संतुलित बनाएगा, नीतियों में महिलाओं की आवाज बढ़ाएगा और राजनीति में समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की जनसंख्या में महिलाओं की आबादी 48.5% थी। अनुमान है कि पिछले करीब डेढ़ दशक में इसमें कुछ सुधार ही हुआ होगा, लेकिन जो नहीं बदला, वह है देश की संसद और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) इसी स्थिति को बदलने वाला कानून है और इसके पास व लागू होने में देरी नहीं होनी चाहिए। आंकड़े बताते हैं कि राजनीति में महिलाएं महत्वपूर्ण तो रहीं, पर ज्यादातर वोट बैंक के नजरिये से। उनको उचित प्रतिधिनित्व आज भी नहीं मिल पाया है, जबकि हर क्षेत्र में समान अधिकार की बात की जाती है। मौजूदा लोकसभा में महज 14% महिला सांसद हैं, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में तो स्थिति और खराब है - महज 10% महिला विधायक। और जब महिलाओं को मौका ही नहीं मिलेगा, तो यह सुधरेगा कैसे।

लंबे इंतजार के बाद यह कानून लोकतंत्र को संतुलित बनाएगा, नीतियों में महिलाओं की आवाज बढ़ाएगा और राजनीति में समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की जनसंख्या में महिलाओं की आबादी 48 .5% थी। अनुमान है कि पिछले करीब डेढ़ दशक में इसमें कुछ सुधार ही हुआ होगा, लेकिन जो नहीं बदला, वह है देश की संसद और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) इसी स्थिति को बदलने वाला कानून है और इसके पास व लागू होने में देरी नहीं होनी चाहिए। आंकड़े बताते हैं कि राजनीति में महिलाएं महत्वपूर्ण तो रहीं, पर ज्यादातर वोट बैंक के नजरिये से।

भारत ने अपनी आजादी के साथ ही महिलाओं को पुरुषों के बराबर वोटिंग का अधिकार देकर दुनिया के सामने नजीर पेश की थी, पर इसके अगले चरण - राजनीति में उनकी बराबर भागीदारी में देश पीछे रह गया। साल 1996 में एचडी देवेगौड़ा की सरकार में पहली बार महिला आरक्षण बिल लाया गया था और तब से तीन दशकों में चार असफल प्रयास हो चुके हैं। अब सरकार ने बिल पास करने के लिए 16 से 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने केरल में एक चुनावी रैली में महिलाओं से विपक्षी दलों पर दबाव बनाने की अपील की, ताकि संसद में महिला आरक्षण बिल बिना किसी विरोध के पास हो सके। आदर्श स्थिति तो यह होगी कि बिल को हर दल का साथ मिले, दबाव बनाने और विरोध की नौबत ही न आए। देर से ही सही, कम से कम अब इस काम को अंजाम तक पहुंच जाना चाहिए।

जब सदन में ज्यादा महिलाएं होंगी, तो आधी आबादी से जुड़े मुद्दों को ज्यादा आवाज मिलेगी। उनकी समस्याओं पर ज्यादा सटीक और संवेदनशील चर्चा हो सकेगी, जिससे नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। महिलाओं की अनगिनत उपलब्धियों के बावजूद राजनीति उन कुछ क्षेत्रों में है, जहां उन्हें बराबर मौके नहीं मिल पाते। महिला आरक्षण बिल इस कमी को दूर करेगा। इस बदलाव का असर पूरे समाज पर पड़ेगा। महिला आरक्षण का सवाल सिर्फ सीटों का बंटवारा नहीं, भारत के लोकतंत्र को और संतुलित व न्यायपूर्ण बनाने का मुद्दा है।

आप का नज़रिया

मालदा घटना से गरमाया बंगाल

मालदा की घटना और सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी ने पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले कानून-व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़े किए हैं। SIR को लेकर जनता में असंतोष, प्रशासनिक नाकामी और मतदाता सूची से नाम हटने के आरोपों से अविश्वास बढ़ा है। मालदा की घटना और उस पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी बताती है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के लिए परीक्षा बन चुका है। राज्य में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होनी है। इससे पहले जिस तरह के हालात बने हैं, उसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए बिल्कुल शुभ नहीं माना जा सकता।

मालदा के कालियाचक में भीड़ ने 7 न्यायिक अधिकारियों को 9 घंटे तक बंधक बनाकर रखा। घेराव, लगातार विरोध-प्रदर्शन और चक्का जाम जैसी घटनाओं से जाहिर है कि जमीनी स्तर पर लोगों में Special Intensive Revision(SIR) को लेकर गंभीर असंतोष है। हालांकि मालदा में उनके गुस्से ने कानून की सीमा को पार कर दिया, जिसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह घटना निश्चित तौर पर कानून व्यवस्था की नाकामी का नतीजा है और इसीलिए सुप्रीम कोर्ट को इतने सख्त शब्दों का इस्तेमाल करना पड़ा। राज्य में हालात लंबे समय से तनावपूर्ण हैं और पहले भी SIR ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को असुरक्षित स्थितियों का सामना करना पड़ा है। अगर जिम्मेदार अधिकारी हालात की गंभीरता का अंदाजा नहीं लगा पाए, तो यह उनकी नाकामी है। गौर करने वाली बात है कि चुनावों के ऐलान के बाद राज्य में ऊपर से नीचे तक बड़े पैमाने पर अफसरों के तबादले हुए हैं। जनता में अविश्वास। इस घटना के बीच जनता की चिंताओं को भी समझने की जरूरत है। बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के पहले लगभग 7.6 करोड़ वोटर थे और अब करीब 10% कम हो गए हैं। फाइनल लिस्ट के बाद 60 लाख को तार्किक विसंगति में चिह्नित किया गया था। इनमें से अब तक 47 लाख आपत्तियों का निपटारा हो चुका है। हालांकि रिजेक्शन रेट बेहद ज्यादा बताया जा रहा है - 35 से 40% तक। लोगों का आरोप है कि उनके नाम काटे जा रहे हैं। इससे अविश्वास का माहौल है। चुनाव आयोग ने भरोसा दिलाया है कि कोई भी योग्य मतदाता छूटने नहीं पाएगा। सुप्रीम कोर्ट भी लगातार नजर रखे हुए है और मामले के समाधान के लिए उसने SIR प्रक्रिया में न्यायिक अधिकारियों को लगाकर अभूतपूर्व रास्ता निकाला था।

मालदा की घटना और उस पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी बताती है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के लिए परीक्षा बन चुका है। राज्य में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होनी है। इससे पहले जिस तरह के हालात बने हैं, उसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए बिल्कुल शुभ नहीं माना जा सकता। मालदा के कालियाचक में भीड़ ने 7 न्यायिक अधिकारियों को 9 घंटे तक बंधक बनाकर रखा। घेराव, लगातार विरोध-प्रदर्शन और चक्का जाम जैसी घटनाओं से जाहिर है कि जमीनी स्तर पर लोगों में Special Intensive Revision(SIR) को लेकर गंभीर असंतोष है। हालांकि मालदा में उनके गुस्से ने कानून की सीमा को पार कर दिया, जिसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह घटना निश्चित तौर पर कानून व्यवस्था की नाकामी का नतीजा है और इसीलिए सुप्रीम कोर्ट को इतने सख्त शब्दों का इस्तेमाल करना पड़ा। राज्य में हालात लंबे समय से तनावपूर्ण हैं और पहले भी SIR ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को असुरक्षित स्थितियों का सामना करना पड़ा है।

दृष्टि कोण

खतरनाक मोड़ पर पहुंचा ईरान-अमेरिका युद्ध, एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले पूरी दुनिया के लिए बुरी खबर

अमेरिका-इजरायल और ईरान संघर्ष अब सैन्य ठिकानों से आगे बढ़कर ऊर्जा और बुनियादी ढांचे पर हमलों तक पहुंच गया है। पुल, रिफाइनरी और गैस सुविधाओं को निशाना बनाने से वैश्विक तेल सप्लाई प्रभावित हुई है। होर्मुज स्ट्रेट संकट से तेल कीमतें बढ़ने और वैश्विक महंगाई-मंदी का खतरा बढ़ गया है, जबकि शांति प्रयास जारी हैं।

अमेरिका-इस्त्राइल और ईरान जंग सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने से इतर अब पूरी तरह मूलभूत सुविधाओं को तबाह करने की तरफ मुड़ गई है। बीते 24 घंटे में दोनों पक्षों ने पुल, रिफाइनरी और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले किए हैं। यह दुनिया के लिए बहुत बुरी खबर है।

तबाही की धमकी: अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बीते दिनों दावा किया कि उनकी ईरान की नई

रेजीम के साथ अच्छी बात चल रही है। फिर देश के नाम संबोधन में उन्होंने ईरान को पाषाण युग में भेजने की धमकी दी और अब शांति के प्रयासों से हटकर बात तबाही पर आ गई है। अमेरिका ने तेहरान के पास एक पुल पर बम गिराया, तो ईरान ने कुवैत और वअए में एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर निशाना साधा। धमकी दी है कि वह पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी असेट्स को बर्बाद कर देगा।

फिर कैसे उबरेंगे: लेकिन इसमें नुकसान पूरी दुनिया का है। होर्मुज स्ट्रेट पर ईरानी नाकाबंदी की वजह से पहले ही लगभग 20% ग्लोबल ऑयल सप्लाई कम हो गई है। माना जा रहा है कि अगर जंग रुकती है, तो सप्लाई को फिर से सामान्य करने में कुछ महीने लग सकते हैं। लेकिन, अगर एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले हुए, तो उससे उबरने में कई साल लग जाएंगे।

नाकाफी होंगे इंतजाम: कुवैत, कतर और सऊदी अरब की ऑयल-गैस फैसिलिटीज और ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड को पहले ही इस युद्ध में काफी नुकसान पहुंचा है। कतर के ऊर्जा मंत्री शेरिडा अल-काबी ने तो पिछले महीने कहा था कि उनके देश की निर्यात क्षमता 17% तक कम हो सकती है। अभी देशों के पास अपना स्ट्रैटिजिक रिजर्व है और इंटरनैशनल एनर्जी एजेंसी की अपील पर सदस्य देशों ने भी ऑयल रिजर्व रिलीज करने पर हामी भरी है।

वहीं भारत ने तेल मार्केटिंग कंपनियों को क्रूड ऑयल के बढ़ते दाम के दबाव से बचाने के लिए बीते दिनों एक्साइज ड्यूटी में कटौती की। लेकिन, अगर हमले जारी रहते हैं, तो सारे इमरजेंसी इंतजाम भी नाकाफी साबित होंगे। इस बीच, क्रूड ऑयल के 200 डॉलर प्रति बैरल तक जाने के अनुमान भी लगाए जा रहे हैं।

शांति का प्रयास: खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था तेल से जुड़ी है और उस तेल से कई देशों की अर्थव्यवस्था जुड़ती है। इसमें गड़बड़ी से मंदी और महंगाई की दोहरी मार पड़ेगी, जिसका असर भी दिखने लगा है। होर्मुज को खुलवाने के लिए कई देश मिलकर प्रयास कर रहे हैं। यह तो जरूरी है ही, जल्द ही यह युद्ध भी रुकना चाहिए।

'प्रशिक्षित और अनुशासित कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत हैं - इन्हीं के बल पर राष्ट्र निर्माण को गति मिलती है' – डॉ. राजेश्वर सिंह

'प्रशिक्षण महाअभियान कार्यकर्ताओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है, यह संगठन को नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा प्रदान करता है' – डॉ. राजेश्वर सिंह 'सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा ही हमारी कार्यसंस्कृति की पहचान है, इन्हीं मूल्यों से संगठन और राष्ट्र दोनों मजबूत होते हैं' – डॉ. राजेश्वर सिंह सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 का शुभारंभ उत्साह एवं गरिमा के साथ किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से आयोजित इस महाअभियान के अंतर्गत क्षेत्र के विभिन्न मंडलों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया।अवध विहार योजना स्थित ट्यूलिप गार्डन में आयोजित अर्जुनगंज मंडल प्रशिक्षण सत्र में सहभागिता करते हुए कार्यकर्ताओं ने संगठन की विचारधारा एवं कार्यसंस्कृति को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर की प्रेरणादायी उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा एवं वैचारिक स्पष्टता का संचार किया। अर्जुनगंज मंडल अध्यक्ष मोहित तिवारी सहित अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रम को सफल एवं सार्थक बनाया। इसी क्रम में सरोजनीनगर दक्षिण द्वितीय मंडल का प्रशिक्षण कार्यक्रम आकृति डिलाइट्स लॉन, रुचि खंड-2, कम्युनिटी सेंटर, लखनऊ में मंडल अध्यक्ष विनोद मौर्य के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में रमेश तूफानी ने कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति, वैचारिक आधार एवं राष्ट्रहित में समर्पण के महत्व पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर रमा शंकर त्रिपाठी, राजेन्द्र बाजपेयी, पार्षद कौशलेंद्र द्विवेदी, पार्षद हिमांशु अंबेडकर, पार्षद विमल तिवारी, पार्षद कमलेश सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।वहीं सरोजनीनगर दक्षिण तृतीय मंडल में वृंदावन कॉलोनी स्थित कान्हा बैंक्वेट हॉल, सेक्टर 6श्च में दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष रमाकांत 'राजन' मिश्रा सहित अनेक वरिष्ठ एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। प्रशिक्षण सत्र में संगठनात्मक दक्षता, अनुशासन एवं सेवा भाव को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद के सिद्धांत संगठन की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकर्ताओं के वैचारिक, बौद्धिक एवं संगठनात्मक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। सशक्त, अनुशासित एवं प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन को मजबूती प्रदान करते हैं और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य को गति देते हैं।उन्होंने आगे कहा कि ऐसे आयोजन कार्यकर्ताओं में सेवा, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा की भावना को और अधिक प्रगाढ़ करते हैं तथा संगठन को नई ऊर्जा एवं दिशा प्रदान करते हैं।यह महाअभियान सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण एवं वैचारिक समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली पहल सिद्ध हो रहा है।

महिला ने युवक पर सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर प्रताड़ित करने का लगाया आरोप,

आलमबाग। कृष्णानगर कोतवाली इलाके में रहने वाली एक महिला ने युवक पर सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी पी के सिंह ने बताया थाना क्षेत्र स्थित एलडीए कॉलोनी निवासी महिला कमलजीत कौर के अनुसार उसे पिछले एक वर्ष से सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म वाट्सअप, फेसबुक, इस्ट्राग्राम के माध्यम से एक युवक मैसेज भेज परेशान कर रहा है। आरोप है कि बीते 4 से 5 दिनों में आरोपी की हरकतें और अधिक बढ़ गई हैं। आरोपी न केवल उन्हें आपत्तिजनक और अश्लील संदेश भेज रहा है, बल्कि उनके परिचितों और जानने वालों को भी तरह-तरह के वीडियो और अश्लील मैसेज भेज उनकी सामाजिक छवि धूमिल कर प्रताड़ित कर रहा है। जिसके चलते उन्होंने आरोपित युवक के खिलाफ फोन नम्बर के आधार पर साइबर सेल सहित स्थानीय कृष्णानगर कोतवाली में भी लिखित शिकायत की है। पुलिस के अनुसार पीड़िता की शिकायत पर आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

धू धू कर जली 26 दुकाने, मौके पर पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री ने दिए 10,10 हजार रुपए की दी सहायता राशि

लखनऊ। विधानसभा 170- सरोजनीनगर के अंतर्गत बारा बिरवां सब्जी मार्केट में शुक्रवार रात्रि लगभग 10:30 बजे लगी भीषण आग ने देखते ही देखते लगभग 26 दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया।आज पूर्व केंद्रीय मंत्री एम पी ट्रकौशल किशोर के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा इस दुखद घटना के उपरांत अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए प्रभावित 26 व्यापारी साथियों को ?10-10 हजार सहायता राशि प्रदान की। मुख्यमंत्री योगिआदित्यनाथ और जिलाधिकारी से इन पीड़ितों की सहायता के लिए वार्ता की। साथ ही, पीड़ितों को विश्वास दिलाया कि उनके लिए बिजली विभाग से मुआवजे की व्यवस्था और एलडीए से बात कर उनकी क्षतिग्रस्त दुकानों की मरम्मत भी कराई जाएगी।इस दौरान पीड़ित व्यापारियों से संवाद कर उनके दर्द को साझा किया और उन्हें आश्वस्त किया कि इस कठिन समय में वे अकेले नहीं हैं। यह केवल एक दुर्घटना ही नहीं, बल्कि कई परिवारों की आजीविका पर गहरा संकट है। ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी प्रभावितों को इस कठिन समय से उबरने की शक्ति प्रदान करें।हम सब मिलकर इस संकट की घड़ी में अपने व्यापारी भाइयों के साथ खड़े हैं। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद सौरभ सिंह मोनू , उप.जिलाधिकारी अंकित शुक्ला , पूर्व मंडल अध्यक्ष अनूप मिश्रा, मंडल मंत्री प्रीतम सिंह , गंगाराम भारती , प्रदीप मिश्रा, श्रीमती साधना गुप्ता , श्रीमती शिविता गोयल भी मौजूद रहे।

कबाड़ी की दुकान पर मिला चोरी का माल, दो आरोपी पकड़े गए

लखनऊ। सरोजनी नगर क्षेत्र में चोरी की वारदात का खुलासा उस समय हुआ जब पीड़ितों ने खुद ही आरोपियों को कबाड़ी की दुकान पर रंगे हाथ पकड़ लिया। सूचना के अनुसार, मुंशी खेड़ा टीपी नगर निवासी लाल बहादुर पाल के घर के बाहर खड़ी तीन गाड़ियों से 9 अप्रैल की रात अज्ञात चोरों ने वायरिंग सहित अन्य सामान चोरी कर लिया था।इसी दौरान पड़ोसी कमल सिंह के कारखाने से भी चैनल, पट्टियां (साइडर), वाहन पार्ट्स व अन्य सामान चोरी हो गया। पीड़ित काफी समय से चोरी के सामान की तलाश में जुटे थे।

कबाड़ी की दुकान पर हुआ खुलासा

10 अप्रैल को सूचना मिली कि नवाब इंटर के पास स्थित एक कबाड़ी की दुकान पर चोरी का सामान बेचा जा रहा है। इस पर लाल बहादुर पाल और कमल सिंह मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि उनका चोरी हुआ सामान दो लोग कबाड़ी को बेच रहे हैं। भागने लगे आरोपी, लोगों ने घेरकर पकड़ा पीड़ितों ने पूछताछ की कोशिश की तो आरोपी भागने लगे। इस पर स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया गया। इस दौरान हल्की मारपीट भी हुई।

पुलिस को सौंपे गए आरोपी

पकड़े गए आरोपियों की पहचान अमन यादव और ऑटो चालक सतीश कनौजिया के रूप में हुई, जबकि कबाड़ी का नाम आशु वर्मा बताया गया है। मौके से चोरी का सामान और वाहन (P32QT9650) भी बरामद हुआ। पीड़ितों ने आरोपियों को सरोजनी नगर थाने में पुलिस के हवाले कर दिया है।

पुलिस से कार्रवाई की मांग

पीड़ितों ने मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है।

पीएम मोदी को लेकर लिखी अभद्र पोस्ट, सीएम योगी की फोटो एडिट करके किया शेयर; दर्ज हुआ केस

लखनऊ में पीएम मोदी और सीएम योगी पर टिप्पणी को लेकर दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। इन दोनों पर केस दर्ज किया गया है। चिनहट निवासी सतेंद्र कुमार ने इंस्टाग्राम आईडी वन क्रिएटर के संचालक नितिन विश्वकर्मा पर पर प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए अभद्र वीडियो पोस्ट करने का आरोप लगाया है। बीबीडी पुलिस ने सतेंद्र की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।सतेंद्र का आरोप है कि नितिन इंस्टाग्राम के अलावा अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये देश की बहन-बेटियों और पीएम को लेकर गाली-गलौज करते हुए वीडियो पोस्ट कर रहा है। वह बीबीडी यूनिवर्सिटी की छात्राओं के बारे में भी खुलेआम अभद्र शब्द कहता है। सतेंद्र का कहना है कि नितिन की भाषा शैली से प्रतीत होता है कि वह राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लिप्त है।

बारा बिरवां सब्जी मार्केट अग्निकांडः प्रभावित व्यापारी हैं सरोजनीनगर परिवार का हिस्सा, हर प्रकार से सहायता की जाएगी - डॉ राजेश्वर सिंह

पीड़ित 26 दुकानदारों को तत्काल सहायता, मुआवजे एवं पुनर्निर्माण के लिए प्रशासन से समन्वय जारी - डॉ राजेश्वर सिंह
दुर्घटना से प्रभावित व्यापारियों के साथ खड़ा है पूरा सरोजनीनगर, हर संभव मदद सुनिश्चित - डॉ राजेश्वर सिंह

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बारा बिरवां सब्जी मार्केट में शुक्रवार रात्रि लगभग 10:30 बजे लगी भीषण आग ने देखते ही देखते लगभग 26 दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे व्यापारियों को भारी आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ा।विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया एवं इस दुखद घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की।प्रभावित 26 व्यापारी साथियों को तत्काल राहत स्वरूप ?10,000-?10,000 की सहायता राशि प्रदान की गई।विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं जिलाधिकारी लखनऊ से वार्ता कर पीड़ितों को अधिकतम सहायता दिलाने का अनुरोध किया गया है। साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि बिजली विभाग के माध्यम से मुआवजे की व्यवस्था कराई जाएगी तथा लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) से समन्वय कर क्षतिग्रस्त दुकानों की मरम्मत भी सुनिश्चित की जाएगी। दौरान उन्होंने पीड़ित व्यापारियों से संवाद कर उनके दर्द को साझा किया और भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में वे अकेले नहीं हैं, पूरा प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि उनके साथ खड़े हैं।डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि यह घटना केवल आगजनी नहीं, बल्कि कई परिवारों की आजीविका पर गहरा संकट है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि सभी प्रभावितों को इस कठिन समय से उबरने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद सौरभ सिंह मोनू, उपजिलाधिकारी अंकित शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनूप मिश्रा, मंडल मंत्री प्रीतम सिंह, प्रदीप मिश्रा, साधन गुप्ता, शिविता गोयल एवं गंगाराम भारती सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कंपनी के पूर्व निदेशक पर धोखाधड़ी का आरोप, 8.31 लाख रुपये हड़पने का मामला

फर्जी हस्ताक्षर कर रसीदें बनाई, पुलिस आयुक्त से एफआईआर दर्ज करने की मांग

लखनऊ। अमौसी स्थित एक निजी कंपनी में पूर्व निदेशक पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगा है। कंपनी के विधिक प्रबंधक की ओर से संयुक्त पुलिस आयुक्त (एलएंडओ) को प्रार्थना पत्र देकर मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। अविनाश सिन्हा, जो Avadh Rail Infra Ltd. °ß´ Radiant Buildcon Pvt. Limited में विधिक प्रबंधक हैं, ने शिकायत में बताया कि रोहित श्रीवास्तव, जो कंपनी में 27 नवंबर 2015 से 15 फरवरी 2024 तक पूर्व कर्मचारी/निदेशक के रूप में कार्यरत था, ने अपने पद का दुरुपयोग किया।आरोप है कि रोहित श्रीवास्तव ने कंपनी के नाम पर बिना अधिकार के ग्राहकों से धनराशि वसूली। मनोज शुक्ला द्वारा Marina Heights Real Estate Project में प्लॉट बुकिंग के नाम पर 2 लाख रुपये कंपनी खाते में जमा कराए गए थे। इसके बाद आरोपी ने कथित रूप से अन्य माध्यमों से 8.31 लाख रुपये अपने खाते में प्राप्त कर हड़प लिए।शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी ने कंपनी के पैड का दुरुपयोग करते हुए निदेशक के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर नकली रसीदें जारी कीं। इस धोखाधड़ी की जानकारी कंपनी को तब हुई जब ग्राहक द्वारा पत्राचार किया गया। बताया गया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी सरोजनीनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है, जिसमें 18 रजिस्ट्रियां फर्जी हस्ताक्षरों के आधार पर कराए जाने का आरोप है और मामला न्यायालय में विचाराधीन है। कंपनी की ओर से पुलिस प्रशासन से मांग की गई है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए।

प्रदेश में लौटी गर्मी, झांसी और प्रयागराज रहे सबसे गर्म जिले; 40 डिग्री पारा हो जाने की चेतावनी जारी

मौसम का मिजाज एक बार फिर से बदल गया है। एक दिन में ही प्रदेश में 2-4 डिग्री तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, अब गर्मी का दौर शुरू होगा और एक सप्ताह के भीतर ही तापमान 40 डिग्री तक पहुंचने के आसार हैं। शनिवार को 30-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चली हवा की वजह से काफी हद तक राहत मिली लेकिन सोमवार से हवा की रफ्तार धीमी होने के साथ ही तापमान में बढ़ोतरी होती रहेगी।अप्रैल में नवंबर जैसा एहसास कराने के बाद अब पलटेगा मौसम, गर्मी दिखाएगी अपना रंग; अलर्ट जारीतीन-चार दिन पहले तक बारिश-आंधी की वजह से प्रदेश भर में मौसम काफी खुशगवार हो गया था और तापमान में 8 डिग्री तक की कमी दर्ज की गई थी। अप्रैल के महीने में नवंबर जैसा अहसास कराने के बाद धीरे-धीरे तापमान में बढ़ोतरी शुरू हो गई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में मौसम शुष्क होने के बाद पिछले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में औसतन 6-8 डिग्री की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई लेकिन ज्यादातर जिलों में तापमान अब भी सामान्य से नीचे बना हुआ है।

रविवार से रुक जाएंगी हवाएं

दिन में 30-50 किमी प्रति घंटा की गति से चल रहीं तेज पछुआ हवाओं का दौर 12 अप्रैल के कम होने के आसार हैं। अगले एक एक सप्ताह में प्रदेश में कोई भी सक्रिय मौसम तंत्र न होने के कारण मौसम शुष्क बना रहने से तापमान में 4-6 डिग्री की संभावित क्रमिक वृद्धि जारी रहेगी। इसके परिणामस्वरुप राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश में अनेक स्थानों पर अधिकतम तापमान 40

डिग्री के स्तर को पार कर जाने के आसार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को प्रदेश में 2-4 डिग्री तक तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। अब यह बढ़ोतरी लगातार जारी रहने का अनुमान है। शनिवार को प्रदेश में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की वजह से लोगों ने राहत महसूस की। कुछ जगह धूल भरी आंधी भी चली। अब धीरे-धीरे हवा की रफ्तार कम होगी और तापमान में वृद्धि का क्रम शुरू होगा। मौसम विभाग के अनुसार, एक सप्ताह के भीतर अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक पहुंचने के आसार हैं।

झांसी और प्रयागराज में सबसे ज्यादा तापमान

प्रदेश में तापमान के बढ़ने के क्रम में शनिवार को सबसे ज्यादा गर्म झांसी और प्रयागराज रहे जहां अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री दर्ज किया गया। वाराणसी और उरई में भी अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री दर्ज किया गया जबकि सुल्तानपुर में 37.2, आजमगढ़ और गाजीपुर में अधिकतम तापमान 37 डिग्री रहा।

अब गर्मी निकालेगी पसीना, 24 घंटे में बढ़ा 3.2 डिग्री तापमानगर्मी ने अब अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है।

अवैध कट बंद होने पर भड़के लोग, लखनऊ-कानपुर हाईवे जाम

ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई से नाराज होकर 20-25 लोगों ने किया हंगामा, यातायात बाधित

लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम अवैध कट बंद किए जाने के विरोध में स्थानीय लोगों ने लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया। इस दौरान करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत एयरपोर्ट क्षेत्र स्थित अंग्रेजी मदरसा के सामने डिवाइडर पर बने अवैध कट को जेसीबी मशीन से बंद कराया गया। इस कार्रवाई से नाराज होकर आसपास के 20-25 लोगों ने मौके पर पहुंचकर सड़क जाम कर दी और नारेबाजी शुरू कर दी।सूचना मिलते ही उप निरीक्षक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के सहयोग से लोगों को समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक समझाने-बुझाने के बाद भी प्रदर्शनकारी नहीं माने और मार्ग अवरुद्ध रखा।बाद में अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रण में लाया जा सका और जाम खुलवाया गया। पुलिस के अनुसार, अवैध कट के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती थीं और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित रहती थी। पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपियों की पहचान कर ली है और करीब 20-25 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की तैयारी की जा रही है।

निजी स्कूल मनमाने तरीके से नहीं वसूल कर पाएंगे फीस, 60 दिन पहले वेबसाइट पर देनी होगी सूचना; समिति गठित

राजधानी के निजी विद्यालय अब विद्यार्थियों से मनमानी तरीके से फीस की वसूली नहीं कर सकते हैं। नए सत्र में किस क्लास की कितनी फीस होगी, इसकी जानकारी 60 दिन पहले ही बेवसाइट पर अपलोड करना होगा। इतना ही नहीं विद्यालय की ओर से निर्धारित फीस का पूरा विवरण जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय को भी देना अनिवार्य होगा।लखनऊ में निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने को जिला शुल्क नियामक समिति का गठन लखनऊ विशेष दुकान से किताब व यूनिफॉर्म खरीदने का दबाव बनाने पर लगेगा पांच लाख का जुर्माना उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित लखनऊ में निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने को जिला शुल्क नियामक समिति का गठन हो गया है। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बनी समिति में जिला विद्यालय निरीक्षक को सदस्य सचिव की जिम्मेदारी गई है। यह समिति विद्यालयों की मनमानी पर नकेल कसने के लिए अभियान भी चलाएगी।जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार की ओर से जारी आदेश के अनुसार, यदि किसी अभिभावक, छात्र या अभिभावक संघ के माध्यम से किसी विद्यालय की शिकायत प्राप्त होती है और अधिनियम का अनुपालन नही कराया जा रहा है तो संबंधित विद्यालय के विरूद्ध सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की जाएगी।

गुजरात पर दबदबा बनाए रखने के लिए उतरेगा लखनऊ, लगातार तीसरी जीत पर होगी पंत की नजर

लखनऊ पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली एक रन से जीत को छोड़ दिया जाए तो गुजरात टाइटंस को आईपीएल के पहले दो मुकाबलों में पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा था। भले ही लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए पिछला आईपीएल सत्र नहीं अच्छा रहा, लेकिन खराब प्रदर्शन के बावजूद टीम ने गुजरात टाइटंस को दोनों लीग मुकाबलों में मात देने में सफलता हासिल की थी। ऐसे में पंत एंड कंपनी अपने घर में पहली जीत के साथ इस दबदबे को बनाए रखने उतरेगी। इस जीत के साथ सुपरजायंट्स अपनी हैट्रिक भी पूरा करना चाहेंगे। दूसरी ओर गुजरात टाइटंस के लिए अभी तक आईपीएल का सफर अच्छा नहीं रहा है। सुपरजायंट्स के खिलाफ उनके घरेलू मैदान में जीत से टीम लीग में अपनी लय को वापस पाना चाहेगी। शहर के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में आईपीएल की दो सबसे युवा टीमों के बीच जोरदार मुकाबला होने की उम्मीद है।आज दिल्ली और गुजरात आमने-सामने; रिजवी और अशोक पर रहेंगी नजरें, जानें पिच और मौसम का हाल

एलएसजी के शीर्षक्रम में सुधार की दरकार

लखनऊ सुपरजायंट्स की सबसे बड़ी ताकत शीर्षक्रम अभी तक आशा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सका है। खासतौर पर पिछले सत्र में रनों का अंबार लगाने वाले वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन (तीन मैच में 22 रन) अपनी लय में नहीं दिखे हैं। इसके अलावा दो अन्य ओवरसीज बल्लेबाज एडन मार्करम (तीन मैच में 78) और मिचेल मार्श (तीन मैच में 64 रन) से भी टीम प्रबंधन को बड़ी पारी की उम्मीद होगी। कप्तान पंत को भी अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। गेंदबाजी में अनुभवी मोहम्मद शमी किफायती रहने के अलावा विकेट हासिल करने में भी सफल रहे हैं, जबकि युवा प्रिंस यादव ने पांच विकेट अपनी झोली में डालकर अपनी अहमियत साबित की। इसके अलावा अन्य गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन से प्रभावित करना होगा।

लखनऊ को मिलेगा लोकल समर्थन।

पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली एक रन से जीत को छोड़ दिया जाए तो गुजरात टाइटंस को आईपीएल के पहले दो मुकाबलों में पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा था। टीम की बल्लेबाजी की बात की जाए तो कप्तान गिल (दो मैच में 109 रन) और जोस बटलर (तीन मैच में 116 रन) ही प्रभावित कर पाए हैं, जबकि गेंदबाजी में प्रसिद्ध कृष्णा (तीन मैच में छह विकेट) और राशिद खान (तीन मैच में पांच विकेट) का प्रदर्शन सराहनीय रहा। ऐसे में अनुभवी मो. सिराज और टी-20 फॉर्मेट के स्पेशलिस्ट बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स को अपनी छाप छोड़नी होगी। कुल मिलाकर लखनऊ सुपरजायंट्स की चुनौती को पार पाने के लिए टीम को एकजुट होकर खेलना होगा।

कैसा रहेगा इकाना स्टेडियम का मिजाज

आईपीएल के 19वें मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स और गुजरात टाइटंस की टीम इकाना स्टेडियम में आमने सामने होंगी। यह स्टेडियम में सत्र का दूसरा आईपीएल मुकाबला होगा। पिछले मुकाबलों के प्रदर्शन को आधार माना जाए तो यहां टॉस जीतने वाली टीम लक्ष्य का पीछा करने का फैसला कर सकती है। मौजूदा सीजन यहां अब तक एक ही मुकाबला खेला गया है जो कि दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने 17.1 ओवर में लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ 142 रनों का लक्ष्य हासिल करके छह विकेट से जीता। कहने को तो टी-20 फॉर्मेट में कोई भी लक्ष्य हासिल करना मुश्किल नहीं रह गया है, लेकिन जहां तक इकाना स्टेडियम की बात है तो यहां 180-190 से ऊपर का लक्ष्य प्रतिद्वंद्वी टीम के लिए चुनौती बन सकता है।

घरेलू मैदान में जीत के लिए तैयार : क्लूजनर

इकाना स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) के सहायक कोच लांस क्लूजनर ने टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताया । मुकाबले की पूर्व संध्या पर हुई पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि पिछले दो मैचों की जीत ने ड्रेसिंग रूम में सकारात्मक माहौल तैयार कर

अमरनाथ यात्रा की तरह होगी चारधाम यात्रियों की निगरानी, कितने यात्री कहां पर,प्रशासन को रहेगा पता

देहरादून: अमरनाथ यात्रा की तर्ज पर चारधाम यात्रियों की कदम-कदम पर निगरानी की जाएगी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने इसके लिए आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) यात्रियों को मुहैया कराने का सुझाव दिया है। इससे प्रशासन को पता रहेगा कि किस समय कहां पर कितने यात्री हैं। इससे उनकी किसी आपदा से सुरक्षा करने और सुविधा बनाने में आसानी होगी। वर्तमान में चारधाम यात्रा में आने वाले यात्रियों की पंजीकरण की व्यवस्था लागू है। इसमें प्रत्येक यात्री का विवरण, यात्रा की तारीख, स्वास्थ्य संबंध जानकारी देनी होती है। इसके माध्यम से किस तारीख को किस धाम के लिए यात्री जाएंगे, उसका पता रहता है। इसी तरह परिवहन विभाग वाहनों के लिए ग्रीन कार्ड और यात्रियों के लिए ट्रिप कार्ड जारी करता है। वहीं एनपीआर कैमरे के माध्यम से भी यात्रा मार्ग से गुजरने वाले वाहनों की निगरानी करता है।अब राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने आपदा प्रबंधन मंत्री मदन कौशिक व सचिव विनोद कुमार सुमन को चारधाम यात्रियों को अमरनाथ की तर्ज पर आरएफआईडी देने की संस्तुति की है। इसके माध्यम से यात्रियों के जगह-जगह पर लगे आरएफआईडी रीडर के माध्यम से विभागों को पता रहेगा कि प्रत्येक यात्री कहां पर पहुंचे हैं। इससे यात्री की जानकारी के साथ भीड़ प्रबंधन में भी सुविधा रहेगी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य सलाहकार मेजर जनरल सुधीर बहल ने बताया कि यात्रियों को आरएफआईडी देने का सुझाव दिया गया है। जो यात्री 60 साल से अधिक उम्र के हैं, उनके मेडिकल सर्टिफिकेट की व्यवस्था लागू करने, हेलिकॉप्टर से जुड़े रेस्क्यू आपरेशन के लिए एसओपी में कई और बिंदुओं को शामिल करने की बात कही है। साथ ही यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी की फुटेज का एआई से विश्लेषण कर स्थानों पर यात्रियों की संख्या का अंदाजा कर भीड़ प्रबंधन करने का सुझाव दिया है। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि इन सुझाव को संबंधित विभाग तक पहुंचाया जाएगा।

रोडवेज ने हरिद्वार के लिए लगाईं छह अतिरिक्त बसें

काशीपुर। दिल्ली रूट पर सवारियां नहीं मिलने पर अब हरिद्वार रूट पर छह अतिरिक्त बसों को लगाया गया है। प्रभारी सहायक महाप्रबंधक इंदिरा भट्ट ने बताया कि दिल्ली रूट पर पिछले एक माह से सवारियां कम मिल रही है। ऐसे में देहरादून, हरिद्वार सहित अन्य रूटों पर बसों को दौड़ाया जा रहा है ताकि आने वाले घाटे से बचा जा सके। इस रूट पर चार बसों का संचालन होता है और इस रूट पर छह अतिरिक्त बसों का संचालन किया जा रहा है।

शिक्षकों ने नवीन समय सारणी का किया विरोध, ज्ञापन सौंपा

काशीपुर। शिक्षक संगठन पदाधिकारियों ने प्रदर्शन कर स्कूलों में पूर्व से लागू समय सारिणी को ही यथावत रखने की मांग की है। शुक्रवार को राजकीय शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने खंड शिक्षाधिकारी की अनुपस्थिति में कार्यालय के कर्मचारी को ज्ञापन सौंपा। इसमें कहा गया है कि शासन की ओर से विद्यालयों में नवीन समयसारिणी लागू की गई है जो उत्तराखंड की विषम भौगोलिक परिस्थिति को देखते हुए सही नहीं है। छात्र-छात्राओं के हित में भी उचित नहीं है। ऊधमसिंह नगर पूरा मैदानी क्षेत्र है। ग्रीष्मकालीन दिवस में देर तक विद्यालय संचालन व शीतकालीन दिवस में जल्दी विद्यालय संचालन छात्रहित में सही नहीं है। उन्होंने विद्यालयों में पूर्व से लागू समय सारिणी लागू करने की मांग की है।

संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार: देहरादून से पूछा कहां गिराने है आलू? पाकिस्तान से जवाब आया वेट, कोड से करते थे बात

देहरादून: झाझरा से गिरफ्तार आतंकी विक्रांत कश्यप पाकिस्तान में अपने आकाओं से कोड वर्ड में बात करता था। जांच में खुलासा हुआ कि बार-बार वह पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं से पूछ रहा था कि कहां आलू गिराने हैं... उधर से जवाब आता था कि अभी वेट करो। जांच एजेंसियों के मुताबिक, आलू गिराने जैसे शब्दों का इस्तेमाल हैंड ग्रेनेड हमलों के लिए किया जाता था।

एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि शुरूआती जांच में पता चला है कि इसी आतंकी नेटवर्क से जुड़े लोगों ने पंजाब में हैंड ग्रेनेड से हमले किए थे। इसके अलावा एक पुलिसकर्मी और एक होमगार्ड की हत्या के तार भी इसी गैंग के लोगों से जुड़ रहे हैं। जांच एजेंसियां अब इस बात की कड़ी जोड़ रही हैं कि विक्रांत कश्यप किस तरह से उस नेटवर्क का हिस्सा था, जो देश के अलग-अलग राज्यों में हमलों की साजिश रच रहा था।

अजय सिंह ने कहा कि, समय रहते गिरफ्तारी से एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया है। विक्रांत के पास से मिले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और चैट्स की गहनता से जांच की जा रही है, ताकि नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचा जा सके। फिलहाल एजेंसी विक्रांत कश्यप के अन्य साथियों और उसके संपर्क में रहे लोगों की तलाश में जुटी हैं। जांच का दायरा उत्तराखंड से बाहर अन्य राज्यों में भी बढ़ाया गया है। इस खुलासे के बाद दून में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

दिल्ली में टॉस्क पूरा करने के लिए भेजी थी पिस्टल: उत्तराखंड एसटीएफ ने आतंकियों से जुड़े जिस संदिग्ध को गिरफ्तार किया है उसे पिस्टल भी उसके पाकिस्तानी आकाओं ने ही उपलब्ध करवाई थी। उसे दिल्ली में एक बड़ी महिला अधिवक्ता को निशाना बनाने का टास्क दिया गया था। एसटीएफ एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के दौरान पता चला है कि पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन अल बद्र ब्रिगेड से जुड़े आतंकी शहजाद भुट्टो ने उसे टास्क पूरा करने के लिए पिस्टल उपलब्ध कराई थी। विक्रांत के पास विदेश में बनी वह पिस्टल बरामद भी की गई है। पूछताछ में ये भी जानकारी सामने आई है कि हिंदू आस्था से जुड़े कुछ स्थानों को भी निशाना बनाने की तैयारी थी।

पाकिस्तानी आंतकियों के साथ विक्रांत की बातचीत के जो प्रमाण मिले हैं, उसमें हैंड ग्रेनेड से हमले जैसी बातें की गई हैं। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी को दिल्ली में एक संगठन के कार्यकर्ताओं पर हैंड ग्रेनेड से हमला करने का टास्क भी दिया गया था। इन सभी कामों के बदले उसे नेपाल के रास्ते दुबई भेजकर बसाने और मोटी रकम देने का लालच दिया गया था।

मतदाता सूची में बढ़ोतरी, 2054 नए वोटर जुड़े

झिंझाना। नगर क्षेत्र की मतदाता सूची में इस बार उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पहले संशोधन और अपात्र नाम हटाए जाने के बाद कुल 11466 मतदाता शेष रह गए थे, जिनमें बड़ी संख्या नए युवा मतदाताओं की थी। इसके बाद चले विशेष अभियान के तहत नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए, जिससे अब कुल मतदाताओं की संख्या बढ़कर 13520 हो गई है। इनमें 7358 पुरुष और 6162 महिला मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार कुल 2054 नए मतदाता सूची में जुड़े हैं। मतदाताओं की संख्या में हुई इस वृद्धि से आगामी चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। निर्वाचन विभाग द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने पर जोर दिया जा रहा है।

उधर, आरएसएस इंटर कॉलेज में नई मतदाता सूची देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। बड़ी संख्या में मतदाता अपने नाम जांचने और जानकारी प्राप्त करने के लिए पहुंचे। बीएलओ सुभाष चंद, पृथ्वी सिंह, संजीव कुमार, प्रमोद शर्मा आदि मौजूद रहे।

तेज हवाओं ने बढ़ाई मुश्किलें, दिनभर बाधित रही विद्युत आपूर्ति

चौसाना। क्षेत्र में तेज हवाओं के चलते शुक्रवार सुबह से विद्युत आपूर्ति बाधित रही, जिससे उपभोक्ताओं को दिनभर भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ बिजली लाइनों से टकराते रहे, जबकि दूर खड़े पेड़ भी झुककर तारों के संपर्क में आते रहे, जिससे 33 हजार केवीए लाइन बार-बार प्रभावित होती रही और आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। खेड़की क्षेत्र में लाइन फॉल्ट के चलते चौसाना, टोडा और खोडसमा बिजली घरों से जुड़े सभी गांव प्रभावित रहे। करीब 14 घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रहने से उपभोक्ताओं को पेयजल संकट, मोबाइल चार्जिंग की समस्या, पशुओं के लिए पानी व चारे की व्यवस्था, सिंचाई कार्यों में बाधा तथा घरेलू कार्यों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली न आने से जीवन-व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित रही और लोग दिनभर वैकल्पिक साधनों पर निर्भर रहे। विद्युत विभाग की टीम दिनभर लाइन दुरुस्त करने और पेड़ों की छंटाई में जुटी रही। कई बार अस्थायी रूप से सप्लाई चालू करने के प्रयास भी किए गए, लेकिन बार-बार फॉल्ट आने से सफलता नहीं मिल सकी। जेई आजम अकबर ने बताया कि आपूर्ति बहाल करने के प्रयास जारी हैं और शाम करीब 7 बजे तक बिजली आपूर्ति सुचारु होने का अनुमान है।

उत्तराखंड में भूकंप के झटके, रुद्रप्रयाग में 3.06 रही तीव्रता, उत्तरकाशी में भी किए गए महसूस

रुद्रप्रयाग: उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी जिले में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रुद्रप्रयाग में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.06 मापी गई है। भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।

भूकंप के झटके सुबह 5:02 बजे महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी जानकारी दी। भूकंप का केंद्र रुद्रप्रयाग से करीब 10 किलोमीटर पूर्व में था। इसकी गहराई धरती से लगभग 10 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। झटके करीब 10 से 15 सेकंड तक महसूस किए गए। हालांकि, अभी तक किसी बड़े जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

वहीं उत्तराकशी में सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे कुछ समय के लिए लोगों में दहशत फैल गई। सुबह करीब 5 बजकर 13 मिनट पर आए इन झटकों के कारण कई स्थानों पर लोग डर के चलते अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि झटके ज्यादा तीव्र नहीं थे और स्थिति जल्दी ही सामान्य हो गई। जिला आपदा परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार भूकंप का केंद्र पड़ोसी जनपद रुद्रप्रयाग में बताया जा रहा है। रुद्रप्रयाग में आए इस भूकंप के प्रभाव से उत्तरकाशी जनपद में भी हल्के झटके महसूस किए गए। प्रशासन के अनुसार अभी तक किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के झटके हल्के होने के बावजूद क्षेत्र में कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। बाद में लोग सामान्य स्थिति में लौट आए। गौरतलब है कि उत्तरकाशी भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील जोन में आता है, जिसके कारण यहां हल्के झटकों पर भी लोग अधिक सतर्क और चिंतित हो जाते हैं।

क्यों आता है भूकंप?

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

जानें क्या है भूकंप के केंद्र और तीव्रता का मतलब?

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है।

फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

दो बाइकों की आमने-सामने भीषण भिड़ंत, तीन युवकों की मौत और दो घायल, हैलट अस्पताल में इलाज जारी

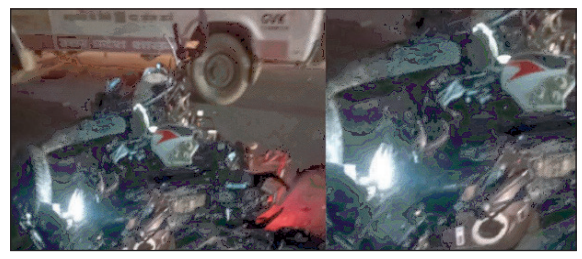

कानपुर : कानपुर में बिल्हौर थाना क्षेत्र के उत्तरीपुरा में शुक्रवार को दो मोटरसाइकिलों के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और सड़क पर खून ही खून हो गया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया है, जहां एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर रात करीब 11:15 बजे एक व्हाइट अपाचे और दूसरी हीरो बाइक के बीच जोरदार भिड़ंत हुई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़े। हादसे में तीन की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं।

हादसे के मृतकों की शिनाख्त रघुवर (21) पुत्र महेश निवासी ग्राम खजुरिया नेवादा, बिल्हौर, जतिन उर्फ बिहारी (20) पुत्र सुनील राठौर निवासी ग्राम पूरा, बिल्हौर, ओम (23) पुत्र टिंकू निवासी ग्राम पूरा, बिल्हौर के रूप में हुई है। वहीं, राहुल (20) पुत्र नरेश निवासी ग्राम पूरा गंभीर रूप से घायल है। उसका कानपुर के हैलट अस्पताल में चल रहा है।

उपचार के दौरान सात माह के मासूम की मौत

झिंझाना। क्षेत्र के गांव लक्ष्मणपुर निवासी देवेंद्र के सात माह के पुत्र विराट की उपचार के दौरान मौत हो गई। जिससे परिवार में मातम छा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिशु शव को पीएम के लिए भेज दिया है। परिजनों के अनुसार बच्चे की तबीयत खराब होने पर उसे बिडौली स्टैंड स्थित एक क्लीनिक में भर्ती कराया गया था, जहां पिछले चार दिनों से उसका इलाज चल रहा था। शुक्रवार को अचानक हालत बिगड़ने पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मासूम की मौत के बाद परिजनों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने डायल 112 पर सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अरुण सिंह कपासिया बने समीक्षा अधिकारी

- इससे पूर्व में भी भारतीय रेलवे, ग्राम पंचायत सचिव, कलेक्ट्रेट में जूनियर अस्सिटेंट के पद पर भी रहे तैनात
- अरुण सिंह कपसिया ने घर पर ही तैयारी कर यह मुकाम हासिल किया

जानसठ। जानसठ तहसील में लेखपाल के पद पर कार्यरत अरुण सिंह कपासिया ने यूपीएससी की परीक्षा पास समीक्षा अधिकारी बन गए हैं।

जिसके चलते अरुण सिंह ने जानसठ एसडीएम राजकुमार भारती को अपना त्यागपत्र सौंप दिया है। अपनी मेहनत और लगन के चलते सीमित संसाधनों में अरुण कपासिया ने एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। जानसठ तहसील में 2024 से लेखपाल के पद पर तैनात खतौली क्षेत्र के गांव चांद संबंध के मजरा चंद्रपुरी अरुण कुमार कपासिया पुत्र धर्म सिंह कपासिया ने यूपीएससी की परीक्षा पास की और अरुण कुमार का चयन समीक्षा अधिकारी के रूप में हुआ है। जिसके चलते क्षेत्र में खुशी का माहौल है अरुण सिंह कपसिया के घर सामाजिक संगठनों एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों ने पहुंचकर अरुण को मिठाई खिलाते हुए उसे एवं परिवार को बधाई दी है। वहीं दूसरी ओर जानसठ तहसील में तैनाती के दौरान उनके साथी लेखपाल साथियों एवं राजस्व के अन्य अधिकारियों के साथ-साथ एसडीएम राजकुमार भारती एवं तहसीलदार श्रद्धा गुप्ता ने भी अरुण कुमार को बहुत-बहुत बधाई दी है।

अरुण कुमार कपासिया ने बताया कि उन्होंने बिना किसी कोचिंग के सर्वप्रथम तो 2023 में भारतीय रेलवे में नियुक्ति ली उसके उपरांत उन्होंने ग्राम सचिव के पद पर नौकरी ली उसी के कुछ दिन बाद ही कलेक्ट्रेट में जूनियर अस्सिटेंट जिला सत्र न्यायालय मुजफ्फरनगर एवं उसके उपरांत 2024 में जानसठ तहसील में लेखपाल के पद पर नियुक्त हुए। पूरा परिवार अरुण सिंह कपासिया की लग्न एवं मेहनत एवं सीमित संसाधनों से इतने बड़े मुकाम पर पहुंचने पर बहुत खुशी मान रहा है।

अरुण सिंह कपासिया ने अपने गांव का ही नहीं अपने क्षेत्र का अपने

अपने ही हाथों से तोड़ रहे सपने: 'खून-पसीने से सींची दुकानें, आज खुद चला रहे हथौड़ा'; मेरठ के व्यापारी मजबूर

मेरठ: इंसान अपनी पूरी उम्र एक-एक ईंट जोड़कर अपने सपनों का आशियाना और कारोबार खड़ा करता है लेकिन हमने जिन दुकानों को अपने खून-पसीने से सींचा था आज हाथों में हथौड़ा थामकर उन्हें जमींदोज करना पड़ रहा है।

अपने ही सपनों को अपने ही हाथों से तोड़ना विभीषिका से कम नहीं है। यह कहना है मेरठ के सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों का। इन दिनों बाजार की गलियों में हथौड़ों की चोट की आवाज गूंज रही है इस चोट से ईंट-पत्थरों की इमारतों के साथ व्यापारियों के दिल और उम्मीदें भी टूट रही हैं।

आवास एवं विकास परिषद की ओर से शास्त्रीनगर स्कीम नंबर सात की 859 संपत्तियों की सूची सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई थी। स्कीम के तहत ये संपत्तियां आवासीय हैं लेकिन इनका व्यावसायिक इस्तेमाल हो रहा है।

बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आवास विकास ने 44 भवनों को सील कर दिया था। वहीं बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी 859 संपत्तियों पर बने अवैध सेटबैक यानी इमारत के चारों ओर छोड़ी जाने वाली अनिवार्य खाली जगह में हुए निर्माण को दो महीने के भीतर तोड़ने का आदेश दिया है। ऐसे में अब व्यापारियों ने भारी मन से खुद ही ध्वस्तीकरण शुरू कर दिया है। अलंकार साड़ी के संचालक राजीव गुप्ता ने बताया इस बाजार की नींव मेहनत और संघर्ष पर टिकी है। यहां बड़ी संख्या में पंजाबी समाज के दुकानदार हैं, जिनमें कई ऐसे परिवार भी हैं जो विभाजन के बाद पाकिस्तान से आकर यहां बसे थे।

करीब 35-40 साल पहले जब शास्त्रीनगर एक तरह से जंगल था और शाम होते ही लोग इधर आने से कतराते थे तब इन व्यापारियों ने तखत और फोल्डिंग पलंग पर फड़ लगाकर काम शुरू किया था। पाई-पाई जोड़कर उन्होंने अल्प आय वर्ग (एलआईजी) के भवन लिए और जीवनयापन के लिए उनमें छोटी-छोटी दुकानें खोलीं। व्यापारियों का कहना है कि उनकी मेहनत और मशक्कत ने ही इस सुनसान इलाके को बाजार की पहचान दिलाई जिससे शास्त्रीनगर आज शहर के पॉश इलाकों में गिना जाता है। अपने उस संघर्ष को याद कर दुकानदारों की आंखों से आंसू बह निकलते हैं। वे मौजूदा हालात के लिए सीधे तौर पर आवास एवं विकास परिषद के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। व्यापारियों का तर्क है कि अधिकारियों की मिलीभगत और शह के बिना आवासीय क्षेत्र कभी बाजार में तब्दील नहीं हो सकता था।

दुकानदारों का कहना है कि उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि जिस कारोबार को खड़ा करने में पूरी उम्र गुजार दी, उसे इस तरह नेस्तनाबूत होते देखना पड़ेगा। वर्षों की मेहनत से तैयार की गई दुकानों को अब खुद ही श्रमिकों से तुड़वाना पड़ रहा है। अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए व्यापारी अब सिर्फ अपने उजड़ते आशियानों और रोजगार को बेबसी से देख रहे हैं। सेंट्रल मार्केट में लगे पलायन के पोस्टर हटवाने के लिए नौचंदी पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद वहां हंगामा हो गया। लोगों ने पुलिस का विरोध किया। अखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सिरोही ने भी पुलिस की इस कार्रवाई का विरोध जताया। सचिन सिरोही ने कहा कि व्यापारियों का उत्पीड़न हो रहा है और नौचंदी पुलिस उन्हें ही मुकदमा दर्ज करने की चेतावनी दे रही है। सिरोही ने कहा कि वह मुकदमे से डरने वाले नहीं है। वह व्यापारियों के साथ खड़े हैं। पुलिस से झड़प के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। मेरठ के सेंट्रल मार्केट के व्यापारी अपनी दुकान और व्यापार चौपट होने से गमजदा हैं। व्यापारियों में सबसे ज्यादा गुस्सा भाजपा के जनप्रतिनिधियों के रवैये से है। बुधवार को 44 संपत्तियों पर सीलिंग के दौरान भी किसी भी भाजपा नेता के न पहुंचने से लोग आक्रोशित रहे।

सरकार ने बढ़ाई अफोर्डेबल फ्लैटों की कीमत, जिले में घर खरीदना होगा महंगा

फरीदाबाद। औद्योगिक नगरी फरीदाबाद में किफायती घर का सपना देख रहे हजारों परिवारों के लिए अब घर खरीदना पहले से महंगा हो गया है। हरियाणा सरकार ने अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी-2013 में संशोधन करते हुए फ्लैटों की अलॉटमेंट दरों में बढ़ोतरी कर दी है। नई अधिसूचना के अनुसार फरीदाबाद में अब अफोर्डेबल फ्लैट्स की कीमत 5 हजार से बढ़ाकर 5450 रुपये प्रति वर्ग फुट (कार्पेट एरिया) तय की गई है। सरकार के इस फैसले का असर उन सभी प्रोजेक्ट्स पर पड़ेगा जहां अभी तक आवंटन प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। इसके साथ ही पार्किंग और बालकनी के नाम पर अलग से शुल्क तय किए जाने से खरीदारों की कुल लागत में लाखों रुपये का अतिरिक्त बोझ बढ़ना तय है।

नई नीति में सबसे बड़ा बदलाव पार्किंग को लेकर किया गया है। अब हर फ्लैट के साथ एक कार पार्किंग देना कॉलोनाइजर के लिए अनिवार्य होगा और इसके बदले खरीदार से फ्लैट की कुल कीमत का 10 प्रतिशत अतिरिक्त लिया

जाएगा। अब तक अधिकतर अफोर्डेबल सोसायटियों में पार्किंग को लेकर विवाद और अव्यवस्था बनी रहती थी। सड़कों और कॉमन एरिया में वाहनों की पार्किंग से जाम और झगड़े आम थे। सरकार का मानना है कि नई व्यवस्था से हर खरीदार को निर्धारित पार्किंग मिलेगी और लंबे समय से चली आ रही यह समस्या कम होगी।

बालकनी भी अब मुफ्त नहीं, तय हुआ अलग चार्ज: संशोधित नियमों के तहत अब फ्लैट के साथ मिलने वाली बालकनी के लिए भी अतिरिक्त शुल्क देना होगा। इसके लिए 1300 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर तय की गई है। हालांकि इसमें कुछ सीमा भी तय की गई है अधिकतम 100 वर्ग फुट तक ही चार्ज लागू होगा वहीं कुल वसूली 1.30 लाख रुपये से अधिक नहीं होगी

लंबित प्रोजेक्ट पर भी लागू होंगे नए नियम: सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह नई दरें उन सभी प्रोजेक्ट्स पर लागू होंगी जहां अभी ड्रॉ या आवंटन नहीं हुआ है। ऐसे मामलों में बिल्डर संशोधित दरों के आधार पर ही आगे की प्रक्रिया पूरी करेंगे। यदि किसी प्रोजेक्ट में पहले से आवेदन लिए जा चुके हैं तो सफल आवेदकों से बढ़ी हुई राशि का अंतर वसूला जा सकेगा। हालांकि जो लोग नई कीमतों से सहमत नहीं हैं उन्हें बिना किसी कटौती के पूरा पैसा वापस लेने का विकल्प दिया गया है।

पुराने प्रोजेक्ट्स में भी बदलाव की गुंजाइश: जिन प्रोजेक्ट्स के बिल्डिंग प्लान पहले ही पास हो चुके हैं लेकिन पार्किंग की कमी है वहां बिल्डर दो-तिहाई आवंटियों की सहमति से प्लान में संशोधन कर सकेंगे। हालांकि जिन टावरों को ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट (ओसी) मिल चुका है वहां यह नियम लागू नहीं होगा।

दिल्ली में टीबी नियंत्रण को बढ़ावा: नजफगढ़ आरएचटीसी में बनेगा नया जिला टीबी सेंटर: पंकज कुमार सिंह

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) देखभाल सेवाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दिल्ली सरकार 'राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत नजफगढ़ स्थित 'ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र' (आरएचटीसी) में एक जिला टीबी केंद्र/चेस्ट क्लिनिक स्थापित करेगी। इस विशेष केंद्र में 10 बिस्तरों वाला एक 'इनडोर पेशेंट डिपार्टमेंट' (आईपीडी) स्थापित होगा, जहां ड्रग-सेंसिटिव और ड्रग-रेसिस्टेंट दोनों तरह के टीबी मरीजों को समुचित उपचार मिलेगा। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि हमारी सरकार ग्राउंड लेवल पर स्वास्थ्य ढांचे को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। नजफगढ़ स्थित आरएचटीसी में जिला टीबी केंद्र/चेस्ट क्लिनिक का विकास इस दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुविधा दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में टीबी मरीजों को समय पर जांच, विशेषज्ञों के परामर्श और

समुचित इलाज की बेहतर पहुंच सुनिश्चित करेगी। नजफगढ़ आरएचटीसी दक्षिण-पश्चिम जिले की ग्रामीण आबादी का एक प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है, जो नांगली, सकरावती, धर्मपुरा और भारत विहार समेत आसपास के क्षेत्रों के लगभग तीन से चार लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। वर्तमान में कई टीबी मरीजों को विशेष सेवाओं के लिए जाफरपुर स्थित आरटीआरएम अस्पताल तक लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। नजफगढ़ स्थित आरएचटीसी में प्रस्तावित यह केंद्र अपने स्थान, बेहतर सड़क और मेट्रो कनेक्टिविटी के चलते मरीजों की पहुंच को बेहद आसान बनाएगा।

भारत बन रहा सिंथेटिक ड्रग्स का नया हब, आसानी से युवाओं तक पहुंच; एलजी संधू की कड़ी चेतावनी

नई दिल्ली: दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सिंथेटिक ड्रग्स के बढ़ते खतरे को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि भारत अब सिर्फ ड्रग्स का रास्ता भर नहीं रह गया, बल्कि इसके उत्पादन और वितरण का केंद्र बनने की ओर बढ़ रहा है, जो सुरक्षा और समाज दोनों के लिए बड़ी चुनौती है।

काउंटरिंग नार्को-टेररिज्म पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए एलजी ने कहा कि मादक पदार्थों का अवैध कारोबार अब केवल अपराध का मुद्दा नहीं है, बल्कि ये राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था से सीधे जुड़ा खतरा बन चुका है।

उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर ये कारोबार सैकड़ों अरब डॉलर का है और इसकी जड़ें संगठित अपराध और

आतंकवाद तक फैली हुई हैं। एलजी ने स्पष्ट किया कि ड्रग्स से होने वाली कमाई मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी गतिविधियों को फंड करने में इस्तेमाल हो रही हैं। ये नेटवर्क अब इतना मजबूत हो चुका है कि इससे निपटना सिर्फ कानून-व्यवस्था का मामला नहीं रह गया है।

प्रभावी रणनीति के बिना रोक पाना असंभव: इस चुनौती से निपटने के लिए एलजी ने बहु-आयामी रणनीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इंटेलिजेंस शेयरिंग, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, वित्तीय निगरानी तंत्र और पब्लिक हेल्थ सिस्टम को एक साथ जुड़ना होगा, तभी इस खतरे को प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है।

ड्रग्स की बढ़ती बरामदी बेहद गंभीर विषय

भारत के संदर्भ में एलजी ने खास तौर पर सिंथेटिक ड्रग्स को लेकर चिंता जताई। उनके मुताबिक, मेथामफेटामाइन और अन्य एम्फेटामाइन जैसे ड्रग्स की देश में बढ़ती बरामदगी और अलग-अलग इलाकों में इसकी मौजूदगी इस बात का संकेत है कि भारत ट्रांजिट रूट से आगे बढ़कर एक संभावित प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन हब बनता जा रहा है। उन्होंने युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को भी गंभीर सामाजिक संकट बताया। इसके चलते स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ रहा है और कार्यक्षमता पर भी असर पड़ रहा है।

साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का खुलासा: विदेशी कॉल को भारतीय में बदल हो रही थी ठगी, दो को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली: राजधानी में साइबर ठगी के एक बड़े और नेटवर्क का खुलासा हुआ है। जहां विदेशी गिरोह भारतीय मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर लोगों को निशाना बना रहा था। स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट ने कार्रवाई करते हुए मयूर विहार फेज-3 स्थित जीडी कॉलोनी में चल रहे एक अवैध सिम बॉक्स सेटअप का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि यह पूरा नेटवर्क कंबोडिया समेत दक्षिण-पूर्व एशिया में बैठे साइबर ठगों से जुड़ा हुआ है, जो दिल्ली में बैठे लोगों के जरिए भारत में अपने ऑपरेशन चला रहे थे। इस मामले में पुलिस ने वैभव राज उर्फ इशु (29 वर्ष) और अनिल कुमार (28 वर्ष), दोनों निवासी घरौली एक्सटेंशन को गिरफ्तार किया है।

डीसीपी आईएफएसओ विनीत कुमार ने बताया कि जांच में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज मामलों का विश्लेषण करते हुए पुलिस को इस अवैध सिम बॉक्स गेटवे सेटअप की जानकारी मिली, जो विदेशी वीओआईपी कॉल्स को भारतीय मोबाइल नंबरों में बदलकर इस्तेमाल कर रहा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक एक्टिव 32 स्लॉट वाला सिम बॉक्स, 350 से अधिक सिम कार्ड, बीएसएनएल के 30 नए सिम, कई

मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, फाइबर मॉडेम, इंटरनेट स्प्लिटर और केबल्स, इंडियन ओवरसीज बैंक की चेकबुक समेत कई कूरियर पैकेट बरामद किए हैं।

जांच में सामने आया कि वैभव राज ने अपने नाम पर इंटरनेट कनेक्शन लिया था और वही सिम बॉक्स तथा लैपटॉप ऑपरेट करता था। वह एनीडेस्क एप्लिकेशन से विदेश में बैठे साइबर ठगों को रिमोट एक्सेस उपलब्ध कराता था और उनके निदेशानुसार लगातार सिम कार्ड बदलता रहता था। वहीं अनिल कुमार ने फ्लैट किराए पर लेकर पूरा सेटअप तैयार किया था और वही पूरे ऑपरेशन का प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स और वित्तीय लेन-देन संभाल रहा था। वह बैंक खातों के माध्यम से ठगी की रकम को आगे ट्रांसफर करता था और सिम कार्ड व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सप्लाई तथा कूरियर हैंडलिंग भी करता था। जांच में एक अन्य हैंडलर की भी पहचान हुई है। वह मुंबई से ऑपरेट कर रहा था फिलहाल उसके बारे में पुलिस पता लगा रही है।

जांच में सामने आया कि आरोपी फर्जी या किराए के बैंक खातों (म्यूल अकाउंट) का इस्तेमाल करते थे। ठगी की रकम इन खातों में डालकर उसे कई लेयर में ट्रांसफर किया जाता था, जिससे ट्रैक करना मुश्किल हो जाए। एक ऐसे ही खाते से तीन केस जुड़े मिले हैं। पुलिस अब इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों, फंड ट्रेल और इंटरनेशनल कनेक्शन की जांच कर रही है। साथ ही रक्ट कार्ड सप्लाई करने वाले लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। इस गिरोह का तरीका बेहद शातिर और सुनियोजित है। ठग पहले विदेश से इंटरनेट कॉल (वीओआईपी) के जरिए संपर्क करते थे, जिसे सिम बॉक्स की मदद से भारतीय मोबाइल नंबर में बदल दिया जाता था, ताकि पीड़ित को लगे कि कॉल देश के अंदर, जैसे दिल्ली या किसी अन्य शहर से ही आ रही है।

ऑपरेशन साइहॉक 4.0 में दो और धोखेबाज गिरफ्तार, मॉर्फ्ड फोटो से ब्लैकमेलिंग का खुलासा

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (आईएएनएस)। दिल्ली पुलिस की साइबर टीम ने नकली लोन ऐप्स के जरिए होने वाली धोखाधड़ी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। ऑपरेशन साइहॉक 4.0 के तहत दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर पुलिस ने दो और कुख्यात धोखेबाजों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह के सदस्य पाकिस्तान और बांग्लादेश के वर्चुअल नंबरों का इस्तेमाल कर पीड़ितों को ठग रहे थे। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों के नाम करण कुमार (24 वर्ष) और शमी अहमद (27 वर्ष) हैं। दोनों कापसहेड़ा (कपाशेरा) इलाके के निवासी हैं। इनके कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनमें आपत्तिजनक व्हाट्सएप चैट्स और नकली लोन ऐप घोटाले से जुड़े सबूत मौजूद हैं। दिल्ली पुलिस के डीसीपी (दक्षिण-पश्चिम) अमित गोयल ने बताया कि पहले ऑपरेशन साइहॉक 4.0 में 4 धोखेबाजों को गिरफ्तार किया जा चुका था। अब इस गिरोह के दो और सक्रिय सदस्यों को पकड़ा गया है। आरोपियों ने पीड़ितों को बिना गारंटी के लोन देने का झांसा देकर ठगा और बाद में उनकी मॉर्फ्ड तस्वीरें शेयर करने की धमकी देकर पैसे ऐंठे। जांच में पता चला कि आरोपियों ने बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ इंडिया के कुछ खातों को 'म्यूल अकाउंट' के रूप में इस्तेमाल किया। इन खातों में ठगी का पैसा जमा कराकर बाद में उसे यूपीआई क्यूआर कोड के जरिए निकाला जाता था। पकड़े गए मोबाइल फोनों से विदेशी वर्चुअल नंबरों से हुई चैट्स भी बरामद हुई हैं, जिनमें पाकिस्तान और बांग्लादेश के हैंडलर्स के संपर्क साफ दिख रहे हैं। डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि पीड़ित जैसे ही नकली लोन ऐप पर रजिस्टर करते, उनका मोबाइल डेटा बैकएंड टीम के पास चला जाता। लोन की पहली किस्त कटते ही आरोपी पीड़ित और उसके परिवार को मॉर्फ्ड फोटो भेजकर ब्लैकमेल करते। ठगी की रकम म्यूल अकाउंट्स में जमा होने के बाद उसे क्रिप्टोकरेंसी (यूएसडीटी) में बदलकर सुराग मिटा दिया जाता था। करण कुमार रैपिडो ड्राइवर है और शमी अहमद भी इसी पेशे से जुड़ा है। दोनों ने कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते जालसाजों को दिए थे। शमी अहमद ने अपना खाता राहुल नामक व्यक्ति को आगे दिया, जो गिरोह का और सदस्य है।

दिल्ली में 13 अप्रैल को 'हेरिटेज वीक' की एक्टिविटी शुरू करेगा डीडीए

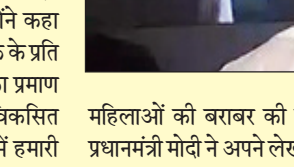

नई दिल्ली। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सहयोग से, राजधानी की विरासत को बढ़ावा देने के लिए 13 अप्रैल को 'हेरिटेज वीक' कार्यक्रम शुरू करेगा। एक अधिकारी ने कहा कि 13 से 18 अप्रैल तक चलने वाली इस पहल का मकसद लोगों को, खासकर युवाओं को दिल्ली की कला और संस्कृति से जोड़ने में मदद करना है। इसमें महरौली इलाके में संरक्षण के प्रयासों की एक प्रदर्शनी/डॉक्यूमेंटेशन भी शामिल होगा। डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवना कुमार ने कहा कि दिल्ली की विरासत एक जीवंत धरोहर है, जो शहर के भविष्य के केंद्र में बनी रहनी चाहिए। हेरिटेज वीक के माध्यम से डीडीए इन अनमोल ऐतिहासिक जगहों के साथ लोगों का जुड़ाव, खासकर युवाओं का और मजबूत करना चाहता है। उन्होंने कहा कि हमारा लगातार यही प्रयास है कि विरासत का संरक्षण, पारिस्थितिकी का पुनरुद्धार और सार्वजनिक जगहों का विकास, ये तीनों दिल्ली के संतुलित और टिकाऊ शहरी विकास के अभिन्न अंग के तौर पर साथ-साथ आगे बढ़ें। बयान में कहा गया है कि हेरिटेज वीक के माध्यम से डीडीए का मकसद दिल्ली की विरासत से जुड़ी संपत्तियों के प्रति लोगों में जागरूकता और गर्व की भावना को गहरा करना, सामुदायिक भागीदारी और युवाओं की सक्रियता को बढ़ावा देना, और विरासत के संरक्षण तथा शहरी पारिस्थितिकी के क्षेत्र में अपने चल रहे प्रयासों को प्रदर्शित करना है।

बाइक सवार बदमाशों ने धमकी देकर मांगे पैसे, दो हवाई फायर करके मुंशी से छीन ले गए 25 लाख

नई दिल्ली: नेताजी सुभाष प्लेस में बाइक सवार बदमाशों ने हवा में गोलीबारी कर केमिकल कंपनी के मुंशी से 25 लाख रुपये लूट लिए। पीड़ित कूचा महाजनी से पेमेंट लेकर जा रहा था। पीड़ित के बयान पर पुलिस ने लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी के जरिये बदमाशों की तलाश में जुट गई है। नेताजी सुभाष प्लेस स्थित केमिकल कंपनी में मंगल सेन मुंशी के पद पर कार्यरत हैं। मंगल सेन शुक्रवार शाम कूचा महाजनी से एक कारोबारी से पेमेंट लेकर सुभाष प्लेस लौट रहे थे। तभी नेताजी फ्लाइओवर पर डी-माल के पास बाइक सवार बदमाशों ने उनकी बाइक के आगे अपनी बाइक लगा दी। गोली मारने की धमकी देकर पैसे मांगे और विरोध करने पर हवा में दो बार फायरिंग कर बैग छीनकर भाग गए। सूचना पर उत्तरी पश्चिमी जिला उपायुक्त आकांक्षा यादव सहित पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया, सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को कब्जे में ले लिया गया है। पीड़ित ने बताया कि हेलमेट पहने होने की वजह से वह बदमाशों का चेहरा नहीं देख पाया। शुरूआती जांच में पता चला है कि पीड़ित के पेमेंट लेने के बाद से ही बाइक सवार बदमाश उसका पीछा कर रहे थे।

दिल्ली में फार्महाउस के स्विमिंग पूल में डूबकर ढाई साल के मासूम की मौत, खेलते-खेलते गई बच्चे की जान

नई दिल्ली : दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके में एक फार्म हाउस में बने स्विमिंग पूल में डूबने से ढाई साल के एक मासूम बच्चे सुमित की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार मूल रूप से भागलपुर, बिहार का रहने वाला मृतक मासूम 2.5 वर्षीय सुमित अपने पिता बंगाली, मां करीना और बड़ी बहन के साथ दिल्ली में रहता था। बच्चे के पिता और नाना विपिन राजमिस्त्री का काम करते हैं। बुधवार रात 10:46 बजे महरौली थाना पुलिस को मालवीय नगर स्थित एक अस्पताल से सूचना मिली थी कि एक मृत बच्चे को वहां लाया गया है। जांच में पता चला कि फार्म हाउस में पिछले तीन महीने से मरम्मत का काम चल रहा है। पहले स्विमिंग पूल खाली था, लेकिन पानी की किल्लत होने के कारण मजदूरों के नहाने और हाथ-पैर धोने की सुविधा के लिए इसमें पानी भर दिया गया था।

खेलते-खेलते पूल में गिरा मासूम

हादसा उस वक्त हुआ जब परिवार के लोग रात के समय स्विमिंग पूल के पास ही काम कर रहे थे। सुमित के नाना विपिन ने बताया कि हादसे से कुछ देर पहले ही सुमित ने अपनी मां के हाथों से आधी रोटी खाई थी। इसके बाद वह यह कहकर गया कि वह पास ही रहने वाली अपनी मौसी के पास खेलने जा रहा है। जब वह काफी देर तक नहीं दिखा तो उसकी तलाश शुरू की गई। अंततः बच्चा स्विमिंग पूल में अचेत अवस्था में मिला। परिजनों ने उसका पेट दबाकर पानी निकालने की कोशिश की और तुरंत बाइक से अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नौ दिन बाद मिला लाइन में फाल्ट, 10 दिन से दूषित पानी पी रहे निवासी

वैशाली। सेक्टर-4 स्थित पार्क एवेन्यू सोसायटी के साथ ही अन्य घरों में 10 दिनों से दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है। गंदे पानी की वजह से बच्चों को पेट दर्द और डायरिया से पीड़ित है। दूषित पानी की शिकायत पार्षद, जलकल और सीएम पोर्टल पर भी की गई है। इसके बावजूद निवासियों की समस्या का समाधान नहीं हो पाने के कारण लोगों को बाजार से खरीदकर पानी पीना पड़ रहा है। इतना ही नहीं तकनीकी अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम भी नौवें दिन पाइप लाइन के फाल्ट को तलाश पाई है। आरडब्ल्यूए सदस्य आनंद प्रकाश ने बताया कि कॉलोनी में करीब 10 दिनों से दूषित पानी सप्लाई हो रही है। पेयजल पाइपलाइन में लीकेज के चलते सीवर का पानी मिलकर आ रहा है। इसकी शिकायत भी की गई और तकनीकी अधिकारी-कर्मचारियों ने भी निरीक्षण किया लेकिन पाइपलाइन का फाल्ट नहीं मिला। निवासी कपिल शर्मा ने बताया कि कॉलोनी में करीब 200 फ्लैट में चार से पांच हजार लोग रहते हैं। बच्चों को पेट दर्द के बाद बच्चों को लेकर चिकित्सकों के पास गए तो उन्होंने इसकी वजह पानी बताई। इसके बाद बाजार से बोतल बंद पानी खरीदकर ही पी रहे हैं और घरेलू कामकाज भी उसी से करना पड़ रहा है। रोजाना के 150 से 300 रुपये लोगों के पानी पर खर्च हो रहे हैं। पाइपलाइन में लीकेज या फॉल्ट होने की वजह से गंदे पानी की समस्या आ रही थी। कई दिन से फॉल्ट तलाश की जा रही थी अब बृहस्पतिवार को फाल्ट मिल गया है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से दो युवक घायल, अस्पताल में भर्ती

लोनी। इंद्रपुरी कॉलोनी के सामने चार अप्रैल को हादसे में घायल हुए पीड़ित की ओर से बाइक सवार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। बेहटा हाजीपुर निवासी पीड़ित सजीव कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह दोस्त दीपक के साथ बाइक पर जा रहे थे। इंद्रपुरी कॉलोनी के सामने बाइक से यूटर्न लेने के दौरान सामने से आई बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी और वह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई। पुलिस ने दोनों को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। उसके हाथ की हड्डी और दीपक की उल्टे पैर की हड्डी टूट गई है। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज करके बाइक सवार की तलाश शुरू कर दी है।

महिला आरक्षण बिल देश के इतिहास का सबसे सुनहरा पल: सिरसा

नई दिल्ली। महिला आरक्षण बिल को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है, जो कि 16 अप्रैल से शुरू होगा। इस सत्र को लेकर दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इसे देश के इतिहास का सबसे सुनहरा पल बताया।

नई दिल्ली में मंत्री सिरसा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें अधिक ताकत देने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने से बेहतर कोई और मौका नहीं हो सकता। यह महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक पल साबित होगा। बहनों-बेटियों को हमेशा पीछा छोड़ा जाता था। अब 33 फीसदी आरक्षण मिलेगा, सभी को बधाई देता हूं। सिरसा ने महिला आरक्षण बिल पर पीएम मोदी के लेख का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का यह लेख नारी शक्ति के प्रति उनके अटूट विश्वास और विजन का प्रमाण है। 21वीं सदी का भारत तभी विकसित बनेगा, जब देश की नीति-निर्धारण में हमारी

महिलाओं की बराबर की हिस्सेदारी होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने लेख में बताया है कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' केवल एक कानून नहीं, बल्कि करोड़ों महिलाओं के सपनों और सामर्थ्य को नई उड़ान देने का माध्यम है। महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिक भागीदारी दिलाने वाला यह ऐतिहासिक कदम हमारे लोकतंत्र को और मजबूत बनाएगा। यह समय दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में एक साथ आने का है। यह पहल किसी एक सरकार या दल का विषय नहीं, बल्कि पूरे देश की सोच और भविष्य से जुड़ा निर्णय है। सशक्त नारी, समृद्ध भारत का आधार है।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार के बयान पर सिरसा ने कहा कि यह बेहद गलत और निंदनीय है। राजनीति में गंदी भाषा, घटिया टिप्पणियों और सस्ते कमेंट्स के लिए कोई जगह नहीं है। दूसरों को नीचा दिखाने वाली यह बयानबाजी एक बहुत ही घटिया मानसिकता को दशार्ती है। किसान सम्मान निधि को सिरसा ने कहा कि यह बहुत बड़ी बात है। इससे साफ पता चलता है कि प्रधानमंत्री किसानों के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं और उनका कितना सम्मान करते हैं।

दिल्ली के त्रिलोकपुरी में फिर चाकूबाजी, पुरानी रंजिश ने लिया हिंसक रूप

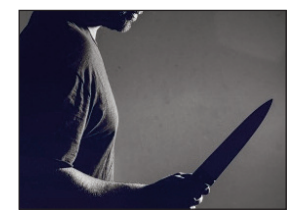

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में शुक्रवार को एक बार फिर हिंसा की घटना ने लोगों को दहला दिया है। मयूर विहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले त्रिलोकपुरी के ब्लॉक-27 में शुक्रवार को चाकूबाजी की सनसनीखेज वारदात सामने आई, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, घायल युवक का संबंध मन्नान नामक शख्स के परिवार से बताया जा रहा है। मन्नान फिलहाल हत्या के एक पुराने मामले में जेल में बंद है। यह मामला दिसंबर 2022 का है, जब मन्नान और उसके साथियों पर शाहिद नाम के युवक की गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगा था। उस दौरान त्रिलोकपुरी के ब्लॉक-27 में हालात इतने बिगड़ गए थे कि करीब एक घंटे तक दोनों पक्षों के बीच लगातार गोलीबारी होती रही थी, जिससे पूरा इलाका दहशत में आ गया था।

बताया जा रहा है कि उसी पुरानी रंजिश के चलते अब शाहिद के बेटे ने बदला लेते हुए मन्नान के भतीजे पर ताबड़तोड़ चाकुओं से हमला कर दिया। चाकूबाजी की इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना के समय इलाके में पुलिस पेट्रोलिंग नहीं थी, जबकि त्रिलोकपुरी का ब्लॉक-27 पहले से ही संवेदनशील माना जाता है।

ताजा खबर
संक्षिप्त

मां ने चुप करा दी, हैवान पिता के खिलाफ सबूत जुटाने वीडियो बनाने लगी रेप से पीड़ित बेटी

नई दिल्ली। बुराड़ी इलाके से रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 21 वर्षीय युवती ने अपने ही पिता की हैवानियत का पर्दाफाश करते हुए उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। 10 वर्षों से यौन शोषण का शिकार हो रही पीड़िता ने खुद ही आरोपी पिता के खिलाफ पुख्ता वीडियो सबूत इकट्ठा किए। इसके बाद पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। एफआईआर के अनुसार, पीड़िता रंजना (परिवर्तित नाम) वर्तमान में जापानी भाषा की पढ़ाई कर रही है। उसका पिता पेशे से ठेकेदार है। परिवार बुराड़ी इलाके में रहता है। रंजना अपने माता-पिता की इकलौती संतान है। जुल्म की दास्तां तब शुरू हुई जब वह महज 11 साल की थी। जनवरी 2015 में पहली बार उसके पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया। उस समय पीड़िता की मां गांव में थी और वह घर पर पिता के साथ अकेली रहती थी। नासमझी और डर के कारण वह लंबे समय तक इस खौफनाक सच को किसी को बता नहीं सकी। रंजना ने बताया कि जब वह बड़ी हुई तो उसे इस घिनौने कृत्य से नफरत होने लगी। उसने डिप्रेशन में आकर सुसाइड करने की भी कोशिश की, लेकिन नाकाम रही। 16 साल की उम्र में उसने हिम्मत जुटाकर मां को सब बताया, लेकिन मां ने उसकी बातों पर यकीन करने के बजाय उसे ही चुप करा दिया। वर्ष 2018 में, जब रंजना बिलासपुर स्थित एम्स में मानसिक काउंसलिंग के लिए गई, तो उसने वहां के डॉक्टर को आपबीती सुनाई।

पुलिस ने ठग गिरोह की सरगना पारो को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दिल्ली पुलिस को एक के बाद एक बड़ी सफलताएं मिली हैं। जहां एक ओर महिलाओं को निशाना बनाकर ठगी करने वाले गिरोह की सरगना को गिरफ्तार किया गया है। दूसरी ओर एक्सपायर्ड खाद्य एवं कॉस्मेटिक उत्पाद बेचने वाले और नकली ऑटो पार्ट्स के रैकेट का भी भंडाफोड़ किया गया है। अस्पतालों और मंदिरों में आने वाली महिलाओं को शिकार बनाने वाले एक संगठित गिरोह की मुख्य आरोपी 'पारो' को पुलिस ने बवाना इलाके से गिरफ्तार किया। यह आरोपी तीन मामलों में वांछित थी और दो मामलों में अपराधी घोषित की जा चुकी थी। पुलिस को इसकी काफी दिनों से तलाश थी। उसे मुखबिर की सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि यह गिरोह महिलाओं को बातचीत में उलझाकर उनके सोने के गहने ठग लेता था। पुलिस ने पिछले एक महीने में करीब 50 स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपी की पहचान की। आरोपी वर्ष 2023 से फरार चल रही थी। पुलिस ने मामले में अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

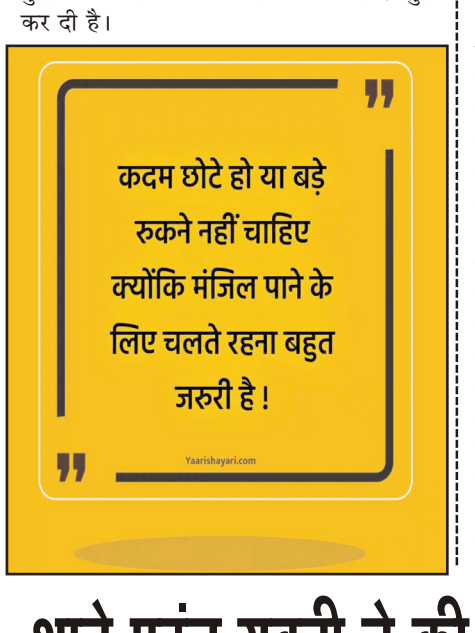

नकली पुलिस पति का साथ देती रही महिला, कारनामे का भंडाफोड़

रामपुर। किसी फिल्मी स्क्रिप्ट जैसी लगने वाली ये कहानी उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले की है. यहां एक कपल ने फर्जी पुलिसकर्मी बनकर वसूली शुरू कर दी. दरअसल, एक मामले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत 4 आरोपियों पर एक्शन लिया था, उन्हीं को गिरफ्तारी से बचाने के नाम पर पति-पत्नी ने लाखों की ठगी कर ली.

इस गैंग का मास्टरमाइंड था फरहान, जो अपनी पत्नी के साथ मिलकर इस पूरे खेल को अंजाम देता था. दोनों पति-पत्नी ने मिलकर ऐसा जाल बुना कि लोग डर के मारे उनकी हर बात मान लेते थे. दरअसल, रामपुर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की थी. इसी मामले का फायदा उठाते हुए फरहान ने खुद को पुलिसकर्मी बताया और गिरफ्तार आरोपी मुन्ना के परिजनों से संपर्क किया. उसने उन्हें डराया कि अगर वे गिरफ्तारी से बचना चाहते हैं, तो उन्हें मोटी रकम चुकानी होगी. डर और घबराहट में परिजनों ने 5 लाख 50 हजार रुपये दे दिए. लेकिन यहीं से कहानी में ट्विस्ट आता है. परिजनों को कुछ समय बाद शक हुआ कि कहीं उनके साथ धोखा तो नहीं हुआ. उन्होंने हिम्मत जुटाई और पुलिस में शिकायत दर्ज कर दी. शिकायत मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस हरकत में आ गई. शुरुआत में तो पुलिस भी हैरान रह गई कि आखिर उनके नाम पर कौन वसूली कर रहा है.

इसके बाद पुलिस ने एक स्पेशल टीम बनाई और जांच शुरू की. धीरे-धीरे सुराग मिलते गए और आखिरकार फरहान की पहचान हो गई. पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे उसकी पत्नी के साथ गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस ने तलाशी ली, तो उनके पास से 4 लाख 57 हजार रुपये बरामद हुए. आरोपी की निशानदेही पर पुलिस वर्दी भी बरामद की गई, जिसका इस्तेमाल वह लोगों को डराने और खुद को असली पुलिसकर्मी साबित करने के लिए करता था.

टीचर दंपति अपराधी निकले, 5 लाख की लूट मामले में थे शामिल

यूपी। लखनऊ के माल थाना क्षेत्र में जेहटा मार्ग काकराबाद में सर्राफ सुभाष चंद्र मौर्या और उनकी पत्नी से पांच लाख की लूट कालीचरण इंटर कॉलेज की शिक्षिका और बदायूं के प्राथमिक विद्यालय में तैनात उसके पति ने की थी। वारदात में शिक्षक का भाई भी शामिल था। यह चौंकाने वाला खुलासा पुलिस की तफ्तीश में हुआ। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से 29 हजार रुपये, कुछ जेवर, आठ मोबाइल और वारदात में प्रयुक्त एसयूवी बरामद की है। 1.90 लाख रुपये बैंक में जमा करने की पर्चियां भी मिली हैं।

पुलिस उपायुक्त उत्तरी के मुताबिक गिरफ्तार लुटेरों में गोलागंज निवासी शिक्षिका दानिशा फातिमा, उसका पति शिक्षक मो. अफसर और देवर मो. अजमल हैं। ये मूल रूप से संतकबीरनगर जनपद के मेहंदावल गुलरिया में कसौना खुर्द गांव के रहने वाले हैं। यह लोग रात में अपन गाड़ी से निकलते और लूटपाट के साथ ठगी करते थे। डीसीपी ने बताया कि काकोरी के कुशमौरा निवासी सुभाष चंद्र मौर्य ने पांच लाख रुपये की लूट का मुकदमा दर्ज कराया था। सुभाष ने बताया था कि उनकी समर ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। पांच अप्रैल को वह पत्नी मिथलेश के साथ स्कूटी से पांच लाख रुपये लेकर चौक सर्राफा बाजार जेवर लेने जा रहे थे। इसी बीच उनके पास महिला शिक्षिका का फोन आया। उसने कम कीमत में जेवर मुहैया कराने की बात कही तो पत्नी के साथ रुपये लेकर जेहटा रोड पर पहुंचे। वहां एसयूवी सवार दानिशा फातिमा, मो. अफसर और उनका साला अजमल मिला। उन्होंने सोने का एक टुकड़ा दिखाया। फिर कुछ अन्य जेवर दिखाए। कुछ आशंका होने पर जेवर लेने से मना कर दिया। सुभाष ने बताया कि जैसे ही वे आगे बढ़े तो कार सवार आरोपियों ने झपट्टा मार कर रुपये का बैग लूट लिया। शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देते हुए एसयूवी से भाग निकले। घटना की जानकारी होने पर एसीपी मलिहाबाद सुजीत कुमार दुबे के निर्देशन में क्राइम और थाने की टीम को घटना के खुलासे के लिए लगाया गया। पुलिस टीम ने सर्विलांस और सीसी फुटेज से साक्ष्य संकलन किए।

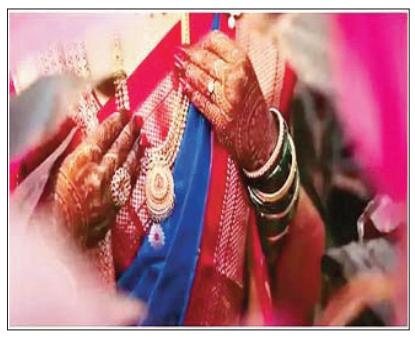

लुटेरी दुल्हन का सोने के बाद वाला कांड , ऐसे साजिश का शिकार हुआ पति

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में एक अजीबोगरीब और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. यहां एक लुटेरी दुल्हन ने ऐसा कांड कर दिया कि उसने अपने ही कथित पति को सदमे में डाल दिया. दरअसल, शादी के बाद सुहागरात के दिन दुल्हन पति के सो जाने का इंतजार किया, और फिर उसके सोते ही कीमती जेवर और कैश लेकर रफूचक्कर हो गयी. पीड़ित जब नींद से जगा तो पत्नी के न मिलने पर उसके होश उड़ गए. उसने खोजबीन की और फिर न मिलने पर पुलिस से शिकायत कर दी. पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने लुटेरी दुल्हन समेत चार के खिलाफ गंभीर धाराओ में केस दर्ज कर आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है.

मामला बिसंडा थाना क्षेत्र का है. जहां के रहने वाले पीड़ित व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि वो मजदूरी करके जीवन यापन करता है, उसने आगे बताया कि गांव के ही एक व्यक्ति ने उसके बेटे की शादी कराने के लिए 50 हजार रुपये ले लिए थे. पैसा लेने के बाद उसने कहा कि दुल्हन फतेहपुर की है, वो लोग यहीं आ जायेंगे और यहीं शादी कराई जाएगी. पीड़ित परिवार ने शादी की तैयारियां शुरू कीं, जेवर सामान आदि खरीदना शुरू हुआ.

ऑपरेशन प्रहार में बड़ा खुलासा, फर्जी पहचान बनाकर रह रही बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार

उत्तराखंड/बिलासपुर। चारधाम यात्रा से पहले उत्तराखंड पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत हरिद्वार में एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है, जहां फर्जी भारतीय पहचान बनाकर रह रही एक बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि महिला लंबे समय से भारत में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर रह रही थी और उसने अपनी पहचान स्वीटी के रूप में बदल रखी थी। पुलिस के अनुसार, सत्यापन अभियान के दौरान ज्वालापुर क्षेत्र के वैष्णवी एन्क्लेव में रह रही महिला पर संदेह हुआ। पूछताछ में पहले उसने अपना नाम स्वीटी बताया, लेकिन दस्तावेजों और जवाबों में कई विरोधाभास सामने आए। सख्ती से पूछताछ करने पर उसकी असली पहचान सलेहा बेगम के रूप में सामने आई, जो बांग्लादेश के कुमीला जिले की रहने वाली है।

जांच में यह भी सामने आया कि महिला ने भारत में रहने के लिए फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया। उसने आधार कार्ड, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे महत्वपूर्ण पहचान पत्र फर्जी तरीके से बनवाए थे। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर उसने भारतीय पासपोर्ट भी प्राप्त कर लिया था। पुलिस इस पूरे मामले को गंभीर सुरक्षा चूक और फर्जी दस्तावेज नेटवर्क से जोड़कर देख रही है। इस मामले में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर निवासी श्यामदास को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, श्यामदास ने महिला को भारत में शरण देने के साथ-साथ फर्जी दस्तावेज बनवाने में अहम भूमिका निभाई। दोनों लंबे समय से साथ रह रहे थे और इस दौरान फर्जी पहचान के जरिए सामान्य जीवन जी रहे थे। पूछताछ में सामने आया कि सलेहा बेगम का अपने पति से अलगाव हो गया था, जिसके बाद उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई।

इसी दौरान वर्ष 2023 में वह सोशल मीडिया के माध्यम से श्यामदास के संपर्क में आई। संपर्क बढ़ने के बाद वह भारत आई और पहले दिल्ली में रही, जिसके बाद दोनों हरिद्वार आकर रहने लगे। हरिद्वार में रहते हुए महिला ने स्वीटी नाम से नई पहचान तैयार कर ली और धीरे-धीरे भारतीय दस्तावेज हासिल कर लिए। जांच में यह भी सामने आया कि इन दस्तावेजों के निर्माण में कई स्तरों पर फर्जीवाड़ा किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस पूरे नेटवर्क में और कौन लोग शामिल हैं और दस्तावेज कहां से बनाए गए।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह मामला केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक संगठित नेटवर्क होने की संभावना है। इसी दिशा में जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। एसएसपी नवनीत भुल्लर ने बताया कि ऑपरेशन प्रहार के तहत अब तक 70 से अधिक वांछित और वारंटी आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा बड़े स्तर पर सत्यापन अभियान भी चलाया जा रहा है। आने वाले चारधाम यात्रा, कांवड़ यात्रा और कुंभ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया गया है।

22 वर्षीय ऑटो चालक संदिग्ध हालात में मृत मिला, पुलिस जांच जारी

तेलंगाना। तेलंगाना के शुक्रवार को एक 22 वर्षीय ऑटो चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। यह घटना चिव्वेमला मंडल के महात्मा गांधी नगर थांडा के पास रत्नाबंडा थांडा रोड पर हुई, जहां स्थानीय लोगों ने युवक को उसके ऑटो-रिक्शा के पास मृत अवस्था में देखा।

मृतक की पहचान रत्नावथ मणि भार्गव के रूप में हुई है, जो महात्मा गांधी नगर थांडा का निवासी था और अविवाहित था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सुबह के समय कुछ ग्रामीणों ने सड़क किनारे खड़े ऑटो के पास उसे अचेत अवस्था में पाया और तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की और आसपास के इलाके में पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मौत के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। इसे लेकर सभी संभावित पहलुओं पर जांच की जा रही है, जिसमें स्वास्थ्य संबंधी कारण, दुर्घटना या किसी बाहरी हस्तक्षेप की संभावना को भी शामिल किया गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रत्नावथ मणि भार्गव अपने ऑटो-रिक्शा के जरिए रोजाना काम करता था और सामान्य रूप से सक्रिय रहता था। अचानक उसकी इस तरह संदिग्ध मौत ने गांव में चिंता और शोक का माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस ने बताया कि शव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल घटनास्थल से कोई स्पष्ट सबूत नहीं मिला है जो सीधे तौर पर किसी आपराधिक गतिविधि की ओर इशारा करता हो। अधिकारियों ने यह भी बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है।

कंपनी में यौन उत्पीड़न व छेड़छाड़, एचआर गिरफ्तार

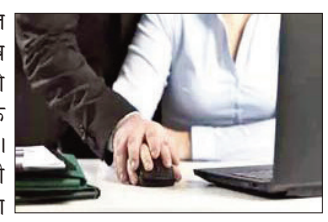

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक स्थित एक तकनीकी कंपनी के मानव संसाधन (एचआर) अधिकारी को छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तार किया गया है। मानव संसाधन अधिकारी अश्विनी अशोक चैनानी को पुणे के लूला नगर से हिरासत में लिया गया, क्योंकि प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि पीड़ितों की शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई और वह इस मामले में टालमटोल करता रहा लेकिन बाद में जांच होने पर पूरी रिपोर्ट सामने आई। कंपनी के कार्यालय में महिला कर्मचारियों के साथ हुए दुर्व्यवहार और उनकी शिकायतों पर कथित निष्क्रियता के संबंध में पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

मुंबई से महज 200 किलोमीटर दूर नासिक स्थित तकनीकी कार्यालय में महिला कर्मचारियों के उत्पीड़न के भयावह मामले के सामने आने से पुलिस के साथ-साथ जिला प्रशासन में भी सनसनी फैल गई। यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन की शिकायतों के बाद पुलिस हरकत में आई और सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में मानव संसाधन विभाग का कर्मचारी सातवां व्यक्ति है जो पुणे में रहता है।

इस मामले में विभिन्न पुलिस स्टेशनों में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई हैं जबकि अब तक सात गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं। शिकायतकर्ताओं के अनुसार लगभग 3-4 वर्षों तक उनका यौन उत्पीड़न किया गया और पुलिस को रिपोर्ट करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। उन्हें बार-बार धमकाने और धार्मिक अपमान का भी सामना करना पड़ा।

दिल्ली पुलिस ने नकली डिग्री रैकेट का भंडाफोड़ किया, 7 गिरफ्तार

नई दिल्ली। संगठित शैक्षिक धोखाधड़ी पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, दक्षिण-पूर्वी दिल्ली की गोविंदपुरी पुलिस ने एक सुनियोजित गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो पूरे देश में नकली डिग्रियां और मार्कशीट बनाने और बेचने में शामिल था। 6 अप्रैल, 2026 को मिली विशिष्ट खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस की एक विशेष टीम ने गोविंदपुरी में रविदास मार्ग पर दूसरी मंजिल स्थित ञ्ज-205 पर छापा मारा। यह अभियान अतिरिक्त उपायुक्त जसबीर सिंह की देखरेख में, ष्टक्क कालकाजी ड्डयक्क- यादव और स्॥ह्र गोविंदपुरी हरनीत सिंह सूडान के मार्गदर्शन में चलाया गया।छापेमारी के दौरान, पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर इस गिरोह को चला रहे थे, और मौके पर मिले 28 अन्य लोगों को भी हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि जब छापा मारा गया, तब आरोपी नकली शैक्षिक दस्तावेज़ छापते हुए रंगे हाथों पकड़े गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजीव कुमार मौर्य (25), जनक न्यूपेन (25), किशन कुमार (26), विक्की कुमार झा (26), आशीष थपलियाल (35), आकाश कुमार (21), और संजय आर्य (29) के रूप में हुई है; ये सभी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों, जिनमें संगम विहार, तुगलकाबाद एक्सटेंशन, कालकाजी और बदरपुर शामिल हैं, के रहने वाले हैं। पुलिस ने परिसर से आपत्तिजनक सामग्री का एक बड़ा जखीरा बरामद किया, जिसमें 2,79,000 रुपये नकद, 31 मोबाइल फोन, दो लैपटॉप, दस्तावेज़ बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले दो प्रिंटर, एक ङ्खद्व-स्नद्व राउटर, और साथ ही बड़ी संख्या में नकली डिग्रियां, मार्कशीट, कोरे प्रमाण पत्र और पीड़ितों का डेटा रखने वाले रजिस्टर शामिल हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, शुरुआती जांच में पता चला है।

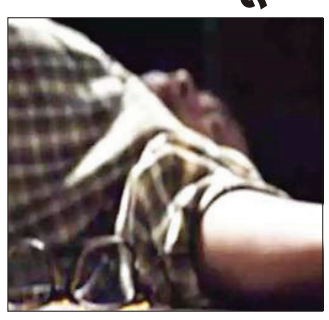

थाने पहुंच युवती ने की सुसाइड करने की कोशिश, लापता की शिकायत पर ढूंढ रही थी पुलिस

यूपी। गोरखपुर में प्रेमी से शादी तय न होने पर घर छोड़ने वाली युवती ने शुक्रवार को पिपराइच थाने में ही कीटनाशक पी लिया। पुलिस कुछ समझ पाती, तब तक युवती थाने से बाहर की ओर भागी। पुलिस ने पकड़ा तो उसने कीटनाशक पीने की बात कही। आनन-फानन में युवती को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने उसका मजिस्ट्रियल बयान भी करा दिया है, जिसमें उसने घरवालों पर प्रेमी की जगह किसी और शादी तय करने का आरोप लगाया है। जानकारी के मुताबिक, युवती की शादी घरवालों ने तय कर दी। 29 अप्रैल को उसकी शादी है। इस बीच आठ अप्रैल की शाम चार बजे के करीब वह घरवालों को बताए बिना कहीं चली गई। काफी तलाश के बाद घरवालों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मां की तहरीर पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस नामजद प्रेमी के घर पहुंची तो वह मौके पर मिल गया लेकिन उसने युवती के बारे में कोई जानकारी होने से इनकार कर दिया।

पुलिस तलाश में जुटी थी कि शुक्रवार की दोपहर में युवती पिपराइच थाने पहुंच गई। उसने पुलिस को बताया कि वह एक युवक से प्रेम करती है, लेकिन घरवालों ने उसकी शादी कहीं और तय कर दी है। युवती ने कहा कि वह बालिग है। यह सुनने के बाद पुलिस ने युवती के परिजनों को भी थाने बुला लिया। घरवाले युवती को समझाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वह प्रेमी से शादी पर अड़ी थी। परिजनों के इनकार पर वह पुलिस की ओर बढ़ी और जेब में रखा होम्योपैथिक दवा की शीशी में रखा कीटनाशक पी लिया। कीटनाशक पीने के बाद वह सीधे बाहर की ओर दौड़ी तो पुलिस भी उसके पीछे भागी। वह थाने गेट पर उलटी करने लगी और पूछने पर उसने कीटनाशक पीने की जानकारी दी। सूचना पर एसपी नार्थ ज्ञानेंद्र भी पहुंच गए और युवती की हालत में सुधार होने पर उसका मजिस्ट्रियल बयान कराया गया। एसपी नार्थ, ज्ञानेंद्र ने कहा कि युवती ने जेब में रखा कीटनाशक को पी लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ी है। मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के साथ ही उसका मजिस्ट्रियल बयान दर्ज करा दिया गया है।

आसिफाबाद में आश्रम स्कूल के एक और छात्र की गिरने से मौत

नई दिल्ली। शुक्रवार को पानापतर गांव में एक ट्राइबल वेलफेयर स्कूल के एक स्टूडेंट की मौत हो गई, जब उसके हॉस्टल में झूले से खेलते समय किताबों और एक बेंच वाले लोहे के बक्से उस पर गिर गए। पिछले दो सालों में पुराने आदिलाबाद जिले के आश्रम स्कूल में ऐसी यह चौथी घटना है। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में चौथी क्लास के स्टूडेंट दुर्वा अन्वेश (10) के सिर में गंभीर चोटें आईं। उसे जैनूर के एक सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना के समय वह दो बेंचों से बंधे झूले से खेल रहा था। स्टूडेंट के पिता दुर्वा जंगू ने आरोप लगाया कि अधिकारियों की लापरवाही से उनके बेटे की मौत हुई। उन्होंने जांच और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर अधिकारी स्कूल टाइम के बाद स्टूडेंट्स पर नज़र रखते तो अन्वेश बच सकता था।

कब्र से निकलेगी हकीकत, प्रेमी पर गंभीर आरोपों के बाद हड़कंप

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में एक 14 साल की नाबालिग लड़की का शव उसी के घर में संदिग्ध हालत में मिला है. बताया जा रहा कि लड़की का गांव के एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था. हाल में दोनों को परिजनों ने आपत्तिजनक हालत में देख लिया था और डांट फटकार लगाई गई. इस सब के बाद से लड़की का शव बरामद किया गया है, परिजनों ने आनन फानन में शव को बगैर पोस्टमार्टम के दफना दिया. अब घटना के कुछ दिन बाद मां ने आरोपी युवक पर दुष्कर्म के बाद हत्या करने का आरोप लगाया है. मां ने एसपी से शिकायत कर शव को कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम कराने और कानूनी कार्रवाई की मांग की है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है.

मामला गिरवां थाना क्षेत्र का है, जहां की रहने वाली पीड़ित महिला ने एसपी से शिकायत करते हुए बताया कि उसकी बेटी को गांव का सजातीय एक किशोर लड़का आये दिन परेशान करता था, उसको डरा धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म करता था. आरोप है कि वह किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देता था, उसी ने मेरी बेटी की हत्या कर दी. मैंने गांव वालों के कहने पर घटना के दिन बगैर पोस्टमार्टम कराए बच्ची की लाश को दफनाया दिया.उस दिन मैंने सभी के कहने पर ऐसा कर दिया, लेकिन अब पुलिस से मांग है कि लाश को निकालकर पोस्टमार्टम कराया जाए और आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई की जाए.

घटना के दिन पुलिस मौके पर पहुचीं, तो गांव वालों ने पुलिस को बताया कि लड़की का गांव के युवक से सम्बन्ध थे और मां ने उन्हें आपत्तिजनक हालत में देख लिया था. मां ने दोनो को डांट फटकार लगाई, जिसके बाद बेटी ने खुदकुशी कर ली. फिलहाल पुलिस मामले में बारीकी से जांच करने में जुटी हुई है. एसपी पलाश बंसल के मीडिया सेल ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरवां क्षेत्र में एक लड़की का शव उसी के घर से बरामद हुआ था. परिजनों ने बगैर सूचना दिए दफना दिया था लेकिन आज मां ने शव को निकालकर पोस्टमार्टम कराने और कानूनी कार्रवाई किये जाने की शिकायत की है, जिस पर डीएम के आदेश के बाद शव को कब्र से निकाला जाएगा, पोस्टमार्टम कराया जाएगा.

पर्सनालिटी सीक्रेट्स जानने का आसान तरीका, बैठने के स्टाइल से पता चलती हैं खूबियां-खामियां

कुंडली के ग्रह-नक्षत्र, हाथ की रेखाएं, जन्म तारीख, शरीर के तिल आदि के जरिए व्यक्ति की पर्सनालिटी-भविष्य के बारे में जाना जा सकता है। वैसे ही लोगों का उठने-बैठने, चलने का अंदाज भी बहुत कुछ बताता है। आज हम कुर्सी पर बैठने के अंदाज से व्यक्ति के स्वभाव-व्यवहार के बारे में जानने का तरीका जानते हैं। यह भी बॉडी लैंग्वेज का एक हिस्सा है।

बैठने के तरीके से जानें अपनी खासियतें

- ऐसे लोग जो कुर्सी पर बैठते समय अपने घुटनों को तो पास रखते हैं, लेकिन नीचे अपने पैरों को दूर-दूर रखते हैं। ऐसे लोगों में जिम्मेदारी की भावना कम होती है। मुश्किल सामने आते ही ये लोग सबसे जल्दी भागते हैं। हालांकि ये लोग आकर्षक पर्सनालिटी वाले और बेबाक होते हैं।
- जो लोग क्रॉस लेग में बैठते हैं या एक के ऊपर एक पैर रखकर बैठते हैं वे क्रिएटिव, विनम्र और शर्मीले होते हैं। ये लोग जीवन का खुलकर आनंद लेते हैं। लेकिन कभी भी ऐसा काम नहीं करते हैं जिसे करना वे सही न समझें।
- जो लोग कुर्सी पर बैठते समय ऊपर पैरों को दूर करके रखते हैं लेकिन नीचे पैरों को पास-पास रखते हैं, ऐसे लोग आराम से जीवन जीना पसंद करते हैं। कह सकते हैं कि मेहनत करना इनके वश की बात नहीं होती है। ये लोग अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते, इनका दिमाग भटकता रहता है।
- जो लोग कुर्सी पर बैठते समय अपने पैरों को घुटने से लेकर नीचे तक एक सीध में और पासपास रखते हैं, वे अनुशासित जीवन जीते हैं। ये लोग समय के पाबंद होते हैं और आत्मनिरीक्षण करते हैं। वे हमेशा अपने आपको बेहतर बनाने के लिए कोशिश करते रहते हैं। ये लोग गैर जिम्मेदार और अभद्र व्यवहार करने वालों को बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं।
- ऐसे लोग जो दोनों पैरों को चिपकाकर और तिरछा रखकर बैठते हैं ये लोग जिद्दी लेकिन कूल होते हैं। वे खासे महत्वाकांक्षी होते हैं और जो फैसला ले लें उस पर अड़े रहते हैं।

तालिबान का नया फरमान! पार्क में अब ये सब नहीं चलेगा, पकड़े गए तो पड़ेगी गोली

अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार ने नया फरमान जारी करते हुए राजधानी काबुल के पार्कों में एक साथ और एक ही दिन महिलाओं और पुरुषों के जाने पर पाबंदी लगा दी है। नए तुगलकी फरमान के तहत अब हफ्ते में 3 दिन सिर्फ महिलाएं और बाकी 4 दिन पुरुषों को पार्क के अंदर जाने की इजाजत होगी। वहीं महिलाओं को अपने तीन दिनों में हिजाब पहनना भी जरूरी होगा।

तालिबान का नया फरमान...करीब 7 महीने पहले बंदूक के दम पर अफगानिस्तान पर कब्जा करने वाले तालिबानी प्रशासन की ओर से आये दिन नये नये महिला विरोधी और संकुचित सोच वाले फरमान जारी किए जा रहे हैं। इस बार तालिबान के संस्कृति मंत्रालय ने फरमान जारी किया है कि अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के सार्वजनिक यानी पब्लिक पार्कों में महिला और पुरुष साथ नही जा सकेंगे। तालिबान ने पब्लिक पार्कों में महिलाओं और पुरुषों की एंट्री के लिए अलग अलग दिन भी निर्धारित किये गए हैं। यानी महिलाओं के लिए निर्धारित दिनों ने पुरुषों की एंट्री बैन होगी और पुरुषों के लिए निर्धारित किए गए दिनों में महिलाओं की।

इस तरह बांटे गए दिन...अफगानिस्तान पर कब्जा करने वाले तालिबान के संस्कृति मंत्रालय ने अपने फरमान में कहा है कि राजधानी काबुल के पब्लिक पार्को में

महिलाएं सिर्फ 3 दिन रविवार, सोमवार और मंगलवार को ही जा सकेंगी। वहीं महिलाओं को पार्को में एंट्री तभी मिलेगी जब वो इस्लामिक हिजाब पहने होंगी। तालिबानी फरमान के मुताबिक पुरुष, अब शहर के किसी भी पार्क में सिर्फ बुद्धवार, गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को जा सकेंगे।

सख्त कार्रवाई की धमकी...अपने आदेश ने तालिबान ने कहा कि अगर महिलाओं के निर्धारित किये गए दिनों में पुरुष या पुरुषों के लिए निर्धारित किये गए दिनों में महिलायें पब्लिक पार्क में जाती हैं तो उन पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। वहीं इस कार्यवाही के खिलाफ अपील करने की इजाजत भी किसी को नहीं होगी। बताते चलें की अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद से तालिबान वहां की महिलाओं की आजादी के खिलाफ कई कदम उठा चुका है। ऐसे ही तुगलकी फैसलों के तहत अगस्त 2021 से लेकर अब तक 9 से 12 वीं क्लास में पढ़ने वाली बच्चियों के स्कूल बंद हैं। वहीं लड़के और लड़कियों के एक साथ एक ही क्लास में पढ़ने पर भी पाबंदी लगी है।

बाबा वेंगा ने की थी पुतिन के बारे में भविष्यवाणी, क्या पुतिन करेंगे 'पूरी दुनिया पर राज

यूक्रेन एक माह से लगातार रूसी हमला झेल रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच बुल?गारिया की भविष?यवक?ता बाबा वेंगा एक बार फिर सुर्खियों में छाई हुई हैं। बाबा वेंगा ने अमेरिका में अलकायदा के 9/11 हमले और तबाही मचाने वाले सुनामी तूफान के बारे में सटीक भविष?यवाणी की थी। बाबा वेंगा ने 23 साल पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बारे में भी एक भविष्यवाणी की थी। आइये आपको बताते हैं उनकी भविष्यवाणी के बारे में।

रूस दुनिया पर शासन करेगा...'आयरिश मिरर' के मुताबिक भविष्यवक्ता बाबा वेंगा ने 1979 में लेखक वैलेन्टिन सिदोरोव से बाचतीच में कहा था कि व्लादिमीर पुतिन का परचम पूरी दुनिया में लहराएगा। पुतिन की देखरेख में रूस पूरी दुनिया पर शासन करेगा। उन्होंने कहा था कि रूस 'दुनिया का शासक' बनेगा और यूरोप 'बंजरभूमि' में तब्दील हो जाएगा। यूरोप के कमजोर होने के बाद दुनिया पर रूस की बादशाहत होगी। मौजूदा हालात भी यही बयां कर रहे हैं कि दुनिया में रूस की ताकत बढ़ती जा रही है। तमाम देशों के पुतिन के खिलाफ होने के बाद भी रूस अपने फैसलों पर अडिग है और उसे रोकने वाला कोई नहीं है। यूक्रेन से युद्ध के बाद रूस के बढ़ते वर्चस्व से भी बाबा वेंगा की रूस और पुतिन के बारे में कही बातें, एक हद तक सही साबित होती दिखाई दे रही हैं।

रूस के सामने कोई टिक नहीं पाएगा...बता दें कि बाबा वेंगा ने यूक्रेन पर रूसी हमले की भी भविष्यवाणी की थी। उन्होंने कहा था कि रूस के सामने कोई टिक नहीं पाएगा। रूस को कोई नहीं रोक सकता। रास्ते में आने वाली सभी ताकतों को रूस मिटा देगा और एक समय आएगा जब रूस दुनिया का स्वामी बन जाएगा। रूस ही विश्व की एकमात्र महाशक्ति होगा।

बाबा वेंगा ने की थी कुर्स्क के डूबने की सटीक भविष्यवाणी

बाबा वेंगा ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल और तीसरे विश्व युद्ध के बारे में भी भविष्यवाणी की थी। बाबा वेंगा ने 2000 में कुर्स्क के डूबने की सटीक भविष्यवाणी कर पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाई थी। उनके लाखों अनुयायियों का मानना ??है कि उनके पास टेलीपैथी और एलियंस के साथ संवाद करने में सक्षम होने सहित असाधारण क्षमताएं थीं।

85 प्रतिशत भविष्यवाणियां सही!

उन्होंने प्राकृतिक आपदाओं के बारे में भविष्यवाणी की थी, साथ ही उनसे होने वाले संघर्षों के बारे में भी चेतावनी दी थी। विश्व की घटनाओं और मानवता की स्थिति के बारे में उनकी कई भविष्यवाणियां सही साबित हुई हैं। जिसमें से आईएसआईएस के उदय और ट्विन टावर्स के पतन की भविष्यवाणियां आज तक चर्चा में बनी रहती हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक उनकी 68 प्रतिशत भविष्यवाणियां सच साबित हुई हैं। वहीं, उनके अनुयायियों का दावा है कि बाबा वेंगा की 85 प्रतिशत भविष्यवाणियां सही साबित हुई हैं।

अपनी मौत के बारे में भी की सटीक भविष्यवाणी

बताते चलें कि बाबा वेंगा का जन्म 1911 में हुआ था। 12 साल की उम्र में ही एक तूफान झेलने के बाद उनकी आंखों की रोशनी चली गई थी। उनकी मौत 1996 में हो चुकी है, उन्होंने अपनी मौत के बारे में भी सटीक भविष्यवाणी की थी। उनकी भविष्यवाणियों को कहीं लिखा नहीं गया है। बाबा वेंगा के अनुयायी उनकी भविष्यवाणी के बारे में बताते रहते हैं।

अनोखी नस्ल जिसके घोड़े दुनिया में होते हैं सबसे छोटे, 40 से 45 साल होती है उम्र

दुनिया में जितने भी जानवर हैं उनकी अलग-अलग नस्ल होती है। वो अपनी नस्लों के हिसाब से ही दुनियाभर में जाने जाते हैं। इन जानवरों की नस्लें इनकी कद-काठी को भी तय करती हैं। जैसे किसी खास नस्ल का एक जानवर कद और रूप-रंग में दूसरी नस्ल वाले से अलग दिखता है। घोड़ों में भी एक बेहद अनोखी नस्ल होती है जिन्हें दुनिया की सबसे छोटी नस्ल का घोड़ा माना जाता है।

फैलाबेला नाम का अर्जेंटीना में एक परिवार था जिसने 19वीं सदी के मध्य में घोड़ों की नई नस्ल को तैयार किया था। इसी परिवार के नाम पर इस नस्ल का भी नाम फैलाबेला पड़ गया जिनकी एवरेज हाइट 70 सेंटीमीटर तक होती है। माना जाता है कि स्पैनिश लोग अपने साथ घोड़ों को साउथ अमेरिका लेकर गए थे। जब उन्हें वहां से खदेड़ा गया तब उनके घोड़े पीछे रह गए और कठोर परिस्थितियों में रहने के कारण उनकी हालत बिगड़ गई और फिर उन्हें ब्रीड किया गया जिससे आगे चलकर उनका कद छोटा होता गया।

अर्जेंटीना में शुरू हुई थी घोड़े की ब्रीडिंग...ऑडिटी सेंट्रल वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार पैट्रिक न्यूटॉल नाम के शख्स को फैलाबेला ब्रीडिंग का जनक माना जाता है। उसने 1868 में वहां के घोड़ों का इस्तेमाल कर ये ब्रीडिंग शुरू की थी। जब वो मर गया तो उसने दामाद जुआन फैलाबेला ने ब्रीडिंग शुरू की थी। 1940 के दशक में जुआन फैलाबेला के परिवार के जुलियो फैलाबेला ने इस ब्रीड की हाइट 100 सेंटीमीटर से भी कम करने की कोशिश की। धीरे-धीरे इन घोड़ों का कद 76 सेंटीमीटर तक आ पाया। आपको बता दें कि फैलाबेला काफी फ्रेंडली घोड़े होते हैं जो बेहद समझदार होते हैं और शांत प्रवृत्ति के भी होते हैं। इसलिए ये घोड़े काफी अच्छे पालतू जानवर भी साबित होते हैं। उन्हें कम भार को उठाना के लिए आसानी से ट्रेन किया जा सकता है। इसके अलावा ये ट्रिक्स भी कर सकते हैं। ये घोड़े सिर्फ हाइट में ही मात खाते हैं नहीं तो उम्र के मामले में ये 40 से 45 साल तक जीते हैं। जानकारों का कहना है कि ये घोड़े खतरे को काफी दूरे से ही पहचान लेते हैं और अर्जेंटीना के दुर्गम इलाकों में आसानी से रह सकते हैं।

देश में हो रही चप्पलों की कमी, घर से लाने का अनुरोध कर रहे होटल और स्पा

किसी भी वस्तु का सप्लाई और डिमांड तय करता कि वो कितनी ज्यादा लोगों के द्वारा उपयोग में है। कई बार वस्तुओं की कमी भी हो जाती है जिसके कारण उसकी डिमांड बढ़ जाती है। इन दिनों ऐसी ही कमी ब्रिटेन में देखने को मिल रही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि ब्रिटेन में चप्पलों (ए’स्स्त्री१ रँङ्ग१ 3ीं) की कमी हो रही है। ऐसे में होटल और स्पा ही नहीं, आम लोगों को भी इससे समस्या हो रही है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन में राष्ट्रीय स्तर की चप्पलों की कमी होने लगी है। यहां के होटल और स्पा लोगों से अजीबोगरीब अनुरोध कर रहे हैं। आपको बता दें कि स्लिपर्स की कमी के चलते जो लोग होटल या स्पा में रुकने जा रहे हैं उन्हें फ्री में स्पा चप्पलें नहीं मुहैया कराई जा पा रही हैं। ऐसे में अब ग्राहकों से अनुरोध किया जा रहा है कि वो अपने साथ चप्पल लेकर आएं।

घर से चप्पल लाने का अनुरोध कर रहे होटल और स्पा...ट्रिप एडवाइजर पर लोगों ने ये रिव्यू डाला है कि उन्हें घर से चप्पलें लाने के लिए कहा जा रहा है। ऐसे में उन्हें काफी मुश्किल हो रही है और सर्विस पूरी ना मिल पाने के कारण बुरा भी लग रहा है। रिपोर्ट के अनुसार एक गेस्ट ने बताया कि उसने एसेक्स के ग्रीनवुड्स होटल और स्पा में अपनी बुकिंग की थी। अचानक उसे होटल की तरफ से मेल भेजा गया कि नेशनल स्लिपर्स की शॉर्टेज के कारण लोगों को घर से चप्पल लेकर आना आवश्यक है क्योंकि वो चप्पल होटल और स्पा में नहीं दे पाएंगे।

क्यों हो रही चप्पलों की कमी?...आपको बता दें कि ब्रिटेन में सिर्फ चप्पल ही नहीं अन्य चीजों को लेकर भी कमी आ रही है। सप्लाई चेन को नुकसान इसलिए पहुंचा है क्योंकि कोरोना महामारी के दौरान भारी वाहन चलाने वाले ड्राइवरों में भारी कमी देखने को मिली है। होटल और बड़े व्यापार ऐसी चीजों को बल्क में खरीदते थे इस वजह से उनके पास सामानों की कमी हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार जब से लॉकडाउन खत्म हुआ है और कोविड के मामलों में कमी आई है, तब से ही लोग बाहर घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं। ऐसे में चप्पलों की कमी होटलों के लिए बड़ा नुकसान साबित हो सकती है। कई होटलों में शैंपू, तौलिया आदि की भी कमी देखने को मिल रही है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई अनोखी तस्वीर... जिसे देख आप भी करोगें तारीफ

सोशल मीडिया पर दिमागी कसरत की कई सारी पहेलियां देखने को मिल जाती है। इन दिनों ऐसी ही एक तस्वीर वायरल हो रही है। मजे की बात तो यह है कि इस पहेली के जवाब से इंसान का नजरिया भी पता चलेगा। हम सभी जानते हैं कि किसी भी चीज को देखने का नजरिया किसी एक शख्स के लिए अलग और किसी अन्य शख्स के लिए कुछ और हो सकता है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई अनोखी तस्वीर...इस तस्वीर में ऐसा ही कुछ है। यह तस्वीर एक तरह से इंसान के 'दिमाग का दही' भी कर देगी। क्योंकि इसे जितनी भी बार देखा जाएगा, हर बार इसका जवाब अलग देखने को मिलेगा। इस तस्वीर का जवाब इंसान की पर्सनालिटी के बारे में भी बताता है। पहली बार में तस्वीर में जो दिखेगा, समझ लीजिए इंसान की पर्सनालिटी वैसी ही है। अगर आपको भी अपनी पर्सनालिटी के बारे में समझना है तो एक छोटा सा टेस्ट लेकर देखिए।

इंस्टाग्राम पर यह तस्वीर नामक अकाउंट से शेयर की गई है। यह तस्वीर आपके दिमाग की परतें खोलती है। इस ड्रॉइंग में दो चीजें छिपी हुई हैं। दोनों चीज आपकी पर्सनालिटी के बारे में बताएगी। आपको इस तस्वीर को देखकर पहली नजर में क्या दिखाई दिया, वह कमेंट करके बताना है। आपको इस तस्वीर को देखकर बताना है कि इसमें एक मर्द का चेहरा दिखा या फिर एक महिला की तस्वीर दिखाई दी। तस्वीर बताएगी आपकी पर्सनालिटी

यह तस्वीर एक आसान सी ड्रॉइंग है। इसे सिर्फ लाइनों की मदद से बनाया गया है। तस्वीर में कुछ लोगों को एक महिला का शरीर दिखाई दे रहा है। वहीं कुछ लोगों को एक आदमी का चेहरा नजर आ रहा है।

अगर आपको तस्वीर में महिला का शरीर दिखाई दे रहा है, तो आप सकारात्मक इंसान हैं। इसका मतलब यह है कि आपका चरित्र उदार है। वहीं अगर तस्वीर में आपको आदमी का चेहरा नजर आ रहा है तो इसका मतलब यह है कि आपमें जबरदस्त नेतृत्व करने की क्षमता है।

माफीनामे के शब्दों में बदलाव के लिए रणवीर सिंह तैयार

देवी की नकल उतारने के मामले में कोर्ट को दिया स्पष्टीकरण

अभिनेता रणवीर सिंह, अपनी फिल्म 'धुरंधर : द रिवेंज' के अलावा, एक्टर-डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' के एक सीन की नकल करने को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर ट्रोल होने के बाद अभिनेता ने माफी भी मांग ली थी, लेकिन अब अभिनेता ने शुक्रवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय को बताया कि वह फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' के एक किरदार की नकल करने से जुड़े मामले में शिकायतकर्ता के साथ मिलकर अपने माफीनामे के शब्दों में बदलाव करने के लिए तैयार हैं। दरअसल, शिकायतकर्ता ने कोर्ट को बताया था कि अभिनेता के माफीनामे में वास्तविकता और पश्चाताप नहीं दिखता है। वकील ने बताया कि हलफनामे में इरादे को ठीक से व्यक्त नहीं किया गया है। उन्होंने अधिक विशिष्ट और स्पष्ट माफी की मांग की।

कोर्ट फिलहाल रणवीर सिंह पर दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें अभिनेता पर पिछले साल गोवा में आयोजित 56वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगा था।

कार्यक्रम के दौरान, रणवीर सिंह ने कथित तौर पर फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' में अभिनेता ऋषभ शेट्टी द्वारा निभाए गए किरदार की नकल की और कथित तौर पर एक देवी को 'महिला भूत' कहा था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

इससे पहले रणवीर सिंह की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता साजन पूवैया ने न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना को सूचित किया था कि माफीनामा पहले ही दाखिल किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि अभिनेता ने हलफनामे में यह भी कहा है कि वह संबंधित मंदिर में जाकर प्रार्थना करेंगे। हालांकि, शिकायतकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि हलफनामे में स्पष्टता की कमी है और उसमें पश्चाताप का पर्याप्त रूप से इजहार नहीं किया गया है। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद, अदालत ने मामले को 23 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया और शिकायतकर्ता की संतुष्टि के अनुरूप एक संशोधित हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

रणवीर सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखित तौर पर भी माफी मांगी थी और घटना के लिए खेद भी व्यक्त किया था। हालांकि विवाद के बढ़ने के बाद एक वकील द्वारा दायर शिकायत के आधार पर अभिनेता के खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज किया गया था। रणवीर सिंह ने एफआईआर रद्द करने के लिए अदालत का रुख किया है। इससे पहले उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी थी और चेतावनी दी थी कि एक सार्वजनिक हस्ती होने के नाते उन्हें अपने शब्दों और कार्यों के प्रति सचेत रहना चाहिए और किसी भी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से बचना चाहिए।

विद्या बालन: एक ऐसी अभिनेत्री जो हर भाषा में रचती हैं जादू

भारतीय सिनेमा की बेहतरीन अभिनेत्रियों में शुमार विद्या बालन ने हमेशा अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। अपनी फिल्मों के चयन से लेकर अपने किरदारों की गहराई तक, विद्या ने हर बार यह साबित किया है कि वह एक सशक्त और बहुमुखी कलाकार हैं। विद्या बालन की खास बात यह है कि उन्होंने भाषा की सीमाओं को कभी अपने काम के बीच नहीं आने दिया। हिंदी के साथ-साथ उन्होंने विभिन्न भाषाओं और लहजों में सहजता से काम किया है। उनकी संवाद अदायगी, उच्चारण और भावनात्मक पकड़ हर भाषा में उतनी ही प्रभावशाली रहती है। चाहे वह किसी छोटे शहर की महिला का किरदार हो या एक मजबूत, आत्मनिर्भर व्यक्तित्व, विद्या हर भूमिका में पूरी सच्चाई के साथ उतरती हैं। यही कारण है कि देशभर के दर्शक उनसे खुद को जोड़ पाते हैं, चाहे उनकी भाषा या क्षेत्र कोई भी हो।

विद्या का मानना है कि सिनेमा एक ऐसी कला है जो भाषा से परे है। उनके लिए हर किरदार एक नई यात्रा है, जहां वह सिर्फ संवाद नहीं बोलतीं, बल्कि उस भावना को जीती हैं। आज के दौर में जब भारतीय सिनेमा वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है, विद्या बालन जैसी कलाकार इस बदलाव की सबसे मजबूत कड़ी हैं, जो अपने अभिनय से हर भाषा, हर दर्शक तक पहुंचने की क्षमता रखती हैं।

अनंत अंबानी की पीठ पर चढ़े सलमान खान, बोले

लिख लो, यह आदमी देश को भी उठाएगा

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान की हर पोस्ट चर्चा का विषय बन जाती है। इस कड़ी में उन्होंने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ऐसी तस्वीर साझा की, जिसने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया। इस तस्वीर में वह जाने-माने उद्योगपति परिवार के सदस्य अनंत अंबानी के साथ एक बेहद मजेदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। सलमान खान द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर में वह अनंत अंबानी की पीठ पर चढ़े हुए दिखाई दे रहे हैं और दोनों के चेहरे पर खुशी साफ नजर आ रही है। फोटो में उनके बीच की दोस्ती साफ झलक रही है। सलमान खान ने इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, ''यह बात सुनो, अगर याददाश्त कमजोर हो तो लिख लो, यह आदमी देश को भी उठाएगा।'' पोस्ट में सलमान खान ने आगे अनंत को अपना छोटा भाई बताया और उनके लंबे जीवन की कामना की। उन्होंने लिखा, ''मेरे छोटे भाई अनंत अमर रहे। वह दिल और दिमाग दोनों से बहुत मजबूत इंसान हैं और एक बेहद सच्चे स्वभाव वाला व्यक्ति हैं।''इस पोस्ट के सामने आने के बाद फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स की प्रतिक्रियाएं भी काफी दिलचस्प रही। एक यूजर ने लिखा, 'सलमान और अनंत... दोनों की बॉन्डिंग कमाल की लग रही है।''दूसरे यूजर ने लिखा, 'सलमान सर, आपने जो भरोसा अनंत अंबानी पर दिखाया है, वो आपके भाईचारे को बयां करता है।' अन्य यूजर्स ने लिखा, 'भाईजान, आप हमेशा दिल जीत लेते हो', 'सल्लू भाई का स्वैग अलग ही लेवल का है', 'कितने क्यूट लग रहे हो आप दोनों, सच में, बहुत फनी मोमेंट है।'

फिल्म है जवानी तो इश्क होना है से सामने आई वरुण-मृणाल की झलक

वरुण धवन और मृणाल ठाकुर अपनी अपकमिंग रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की नई झलक को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा में हैं। पूजा हेगड़े के साथ फिल्म का फर्स्ट लुक जारी करने के एक दिन बाद मेकर्स ने अब वरुण और मृणाल की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों की बॉन्डिंग काफी पसंद की जा रही है। मेकर्स के अलावा दोनों एक्टर्स ने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की है। इस तस्वीर में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर को गले लगाते और रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे हैं। दोनों की इस जोड़ी में जबरदस्त केमिस्ट्री दिख रही है। वरुण और मृणाल ने तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा ,लेकिन जवानी में इश्क बार-बार होता है। दोनों की साथ वाली तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। उनकी पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, मृणाल और वरुण को देखने का अब और इंतजार नहीं कर सकता। जबकि दूसरे ने कहा, इनकी केमेस्ट्री तो कमाल की है। वहीं, तीसरे यूजर ने लिखा, इस नई जोड़ी को स्क्रीन पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। फिल्म की कहानी जवानी, प्यार और उसकी मस्ती पर आधारित है, जिसमें हल्का-फुल्का मनोरंजन और रोमांस का पूरा मिश्रण दिखने की उम्मीद है। फिल्म हंसी-मजाक और रोमांस से भरपूर होने वाली है। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का निर्देशन डायरेक्टर डेविड धवन कर रहे हैं। इसमें वरुण धवन के साथ अभिनेत्री पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े के अलावा मौनी रॉय, चंकी पांडे, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, राकेश बेदी और अली असगर जैसे कलाकार भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे।

मेकअप में और खराब लगती हूं, नेहा शर्मा ने खुद पर किया मजेदार कमेंट

फिल्मी दुनिया में जहां सितारे अक्सर अपने परफेक्ट लुक और ग्लैमरस अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वहीं कई बार वही सितारे अपने फैंस के सामने अपनी असलियत भी खुलकर रखते नजर आते हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा शर्मा ने शुक्रवार को एक ऐसा बयान दिया, जिसने फैंस को भी हैरान कर दिया। नेहा शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह मेकअप किए हुए नजर आ रही हैं। वीडियो में वह अपने बालों को फ्लिप करते हुए अपने लुक को दिखा रही हैं। आमतौर पर जहां सेलेब्रिटीज अपने मेकअप लुक की तारीफ करते हैं। वहीं नेहा ने इस बार बिल्कुल अलग अंदाज अपनाया। वीडियो के साथ उन्होंने बेहद ईमानदारी से लिखा, ''मुझे अपने बाल और मेकअप ठीक से करना नहीं आता। मुझे इस स्किल को सीखने की जरूरत है, ताकि मैं खुद को बेहतर तरीके से प्रजेंट कर सकूं।''

इतना ही नहीं, नेहा ने अपने मेकअप लुक पर मजाकिया अंदाज में सवाल भी उठाया। उन्होंने लिखा, क्या मैं ही अकेली लड़की हूं जिसे लगता है कि मेकअप के साथ मैं और भी खराब दिखती हूं?

नेहा शर्मा की बात करें तो उन्हें कुकिंग, म्यूजिक सुनना, किताबें पढ़ना और डांस करना बेहद पसंद है। नेहा ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की ट्रेनिंग ली है और इसके अलावा, उन्होंने लंदन के पाइनएप्पल डांस स्टूडियो से स्ट्रीट हिप-हॉप, सालसा, मेरेंग्यू, जाइव और जैज जैसे कई वेस्टर्न डांस फॉर्म भी सीखे हैं।

फिल्मों की बात करें तो उन्होंने 2007 में तेलुगु फिल्म 'चिरुथा' से करियर शुरू किया और बाद में 'क्रूक', 'क्या सुपर कूल हैं हम', 'यमला पगला दीवाना 2', 'तान्हाजी' और 'जोगीरा सारा रा रा' जैसी फिल्मों में नजर आईं। इसके अलावा, वह 'इल्लिगल' जैसी वेब सीरीज और कई म्यूजिक वीडियोज में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं।

'टटीरी' विवाद के बाद बादशाह ने गाने को नए अंदाज में रिलीज करने की घोषणा

पंजाबी सिंगर और रैपर बादशाह का विवादित सॉन्ग 'टटीरी' को अश्लील लिरिक्स की वजह से सारे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया था। सिंगर ने गलती को मानते हुए माफी भी मांग ली थी, लेकिन अब सिंगर इसी गाने के साथ दोबारा दर्शकों के दिलों में हरियाणा की लोकल और लोक संगीत की झलक दिखाने के लिए तैयार हैं। बादशाह ने बदलावों के साथ 'टटीरी' गाने को दोबारा रिलीज करने की घोषणा की है और नए टाइटल की घोषणा भी की है। सिंगर बादशाह ने सोशल मीडिया के जरिए 'टटीरी' को 'टटीरी फिर से' के रूप में रिलीज करने की घोषणा की है। सिंगर ने गाने के साथ सभी की भावनाओं का सम्मान करने की भी बात कही है और सभी को भरोसा दिलाया है कि जिन कारणों से हरियाणा और देश की भावनाओं को ठेस पहुंची थी, वो दोबारा नहीं होगा। गाना 14 अप्रैल को दोबारा यूट्यूब पर रिलीज किया जाएगा।

सिंगर ने इंस्टाग्राम पर गाने की झलक शेयर करते हुए लिखा, पिछले कुछ हफ्तों में हमने अपने गीत 'टटीरी' को लेकर सरकारी अधिकारियों, महिला आयोग, समाजसेवियों और हमारी संस्कृति की परवाह करने वाले कई लोगों की बातों को सुना है। उसी के आधार पर हमने गाने में जरूरी बदलाव किए हैं और जो भी हिस्सा अपमानजनक माना गया, उसे हटा दिया है। मैं इस प्रतिक्रिया और उसके पीछे की भावना का सम्मान करता हूं। एक कलाकार होने के साथ-साथ, अपनी समाज और संस्कृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी उतनी ही अहम है।

उन्होंने लिखा, टटीरी फिर से उसी सफर का अगला कदम है। आपका साथ, आपकी आवाज और आपका विश्वास ही है, जिसने इस गाने को जिंदा रखा है। उम्मीद है इसका नया रूप वही ऊर्जा और वही सम्मान लेकर चलेगा। गाना 14 अप्रैल को आधिकारिक तरीके से रिलीज किया जाएगा। ऐसा लग रहा है कि गाने में बदलाव के साथ सिंगर ने गाने के टाइटल में भी बदलाव करना सही समझा है। हाल ही में सिंगर को राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने पेश होना पड़ा था और उन्होंने अपनी गलतियों की माफी मांगते हुए कुछ बच्चियों की शिक्षा का भार अपने कंधों पर लिया है।

सहयोग परिवार के लिए राजकिशोर पासी द्वारा शोभित ऑफसेट, के- 540,इंद्रलोक कॉलोनी,(निकट भारत माता मंदिर) डॉ० मानसनगर ,कानपुर रोड, लखनऊ से मुदित कराकर अवध विहार कॉलोनी, पोस्ट . मानस नगर ,कानपुर रोड लखनऊ से प्रकाशित किया। राज किशोर पासी संपादक मो० 9956250100 नोट. सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।